CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-274
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 07 जनवरी 2024

पेज-04

आज का विचार

खुद में झांकने के लिए जिगर चाहिए वरना दूसरों की शिनाख्त में तो हर शख्स माहिर है।

सिंगल कॉलम

2 साल का स्पेशल बीएड कोर्स बंद, अब 4 साल के कोर्स को ही मिलेगी मान्यता

नई दिल्ली। *देश में 2 साल का स्पेशल बीएड कोर्स बंद कर दिया गया है। अब इस कोर्स को मान्यता नहीं मिलेगी। शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से सिर्फ चार वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स को ही मान्यता दी जाएगी। भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) ने इस संबंध में नोटिस जारी कर दिया है। भारतीय पुनर्वास परिषद ही देश भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कराए जा रहे स्पेशल बीएड कोर्स को मान्यता देती है। आरसीआई ने सर्कुलर में कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने के तहत अब दो वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स पर रोक लगा दी गई है। अब केवल चार वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स को ही मान्यता दी जाएगी। देश भर में ऐसे करीब 1000 संस्थान / विश्वविद्यालय हैं जहां यह कोर्स कराया जा रहा है। आरसीआई के सदस्य सचिव विकास त्रिवेदी की ओर से जारी सर्कुलर में लिखा गया है एनसीटीई ने एनईपी-2020 के तहत इंटीग्रेटेड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) में चार वर्षीय बीएड कार्यक्रम का प्रावधान रखा है। इसके मद्देनजर आरसीआई ने भी चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को ही संचालित किए जाने का फैसला किया है। आगामी सत्र से आरसीआई की ओर से सिर्फ चार वर्षीय बीएड (विशेष शिक्षा) पाठ्यक्रम की ही मान्यता दी जाएगी। क्या होता है स्पेशल बीएड कोर्स*

स्पेशल बीएड कोर्स में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाती है। दिव्यांग बच्चों की विशेष तरह की जरूरतों को ध्यान में रखकर ही इस कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें सुनने, बोलने व अक्षमता, दृष्टि बाधित, मानसिक विकलांगता आदि दिव्यांगों के लिए सिलेबस का संचालन किया जाता है। आरसीआई ने कहा है कि जो भी संस्थान चार साल का इंटीग्रेटेड बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स (एनसीटीई के चार वर्षीय आईटीईपी कोर्स की तरह) करवाना चाहते हैं, वे अगले अकादमिक सत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन पॉर्टल खुलने पर इन्हें आवेदन का मौका मिलेगा। बताया जा रहा है कि एनसीटीई स्पेशल बीएड इंटीग्रेटेड कोर्स का नया सिलेबस तैयार कर रही है। इस कोर्स को आरसीआई लागू करेगी। एनसीटीई का सिलेबस स्पेशल छात्रों की जरूरतों के अनुरूप ही डिजाइन किया जा रहा है। इस संबंध में लखनऊ के डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय का कहना है कि दो वर्षीय बीएड (विशेष शिक्षा) पाठ्यक्रम के भविष्य को लेकर निर्णय विवि की कार्य परिषद बैठक में लिया जाएगा।

इंटरनेट पर भगवान राम को लेकर की आपत्तिजनक टिप्पणी, दो लोगों पर केस दर्ज

शाजापुर। इंटरनेट मीडिया पर भगवान राम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर कोतवाली थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक आरोपित शाजापुर निवासी है, वहीं दूसरा आरोपित उत्तरप्रदेश का निवासी है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपितों की तलाश की जा रही है। मामले में हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने भी पुलिस अधिकारियों से मिलकर आक्रोश जाहिर किया और आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। **यह है मामला** प्राप्त जानकारी अनुसार सीएम राइज स्कूल में पदस्थ शिक्षक अंबाराम राजोरिया ने फेसबुक पर भगवान श्री राम का चित्र पोस्ट किया था। इस पोस्ट पर दो लोगों ने आपत्तिजनक कमेंट्स किए। जिन्हें शाजापुर निवासी लखन खरे निवासी सपरीपुरा शाजापुर ने देखा। लखन ने हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी दी। इसके बाद लखन और हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी अनूप किरकिरे व अन्य लोग थाने पहुंचे और मामले में आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले रमेश राम निवासी रानीपुर मऊ उत्तर प्रदेश और अर्जुन फुलेरिया निवासी लोंदिया रोड शाजापुर के खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने धार्मिक भावना भड़काने को लेकर दोनों पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सड़क किनारे सो रहे लोगों को कंबल वितरित किए

मुख्यमंत्री मोहन यादव को दिखा फुटपाथ पर सोए लोगों का दर्द, जरूरतमंदों को किए कंबल वितरण

सिटी चीफ...उज्जैन। *मध्य प्रदेश में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे आम जनजीवन बेहाल है। इसी बीच उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव अधिकारियों के साथ रात में सड़कों पर निकले और सड़क किनारे सो रहे लोगों को कंबल वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा, कि 'ठंड में कोशिश कर रहे हैं कि सभी को रैन बसेरों तक पहुंचाएं। प्रशासन के साथ आज रात कंबल बांटने निकला था। सभी अधिकारियों से कहना चाहूंगा कि ठंड में प्रशासन संवेदनशीलता दिखाते हुए लोगों की मदद करें।' सभी रैन बसेरों में सोए उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि विकास के कामों को लेकर हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। नई सरकार के गठन के साथ हम शिवराज सिंह चौहान के कामों को आगे बढ़ाते चल रहे हैं। रात के समय ठंड का माहौल है और ऐसे में यदि गरीब भाई-बहन फुटपाथ पर सोए हुए हैं तो उनकी मदद कर रहे हैं। कोशिश करेंगे कि सभी रैन बसेरों में सोए।*

राम लला के स्वागत में भजन गाने वाली गायिका की तारीफ कर पीएम ने कहा-

भावविभोर करने वाला है भजन...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइड एक्स पर एक पोस्ट जारी कर श्री राम घर आए भजन गाने वाली गायिका की तारीफ की है।

देशवासियों के लिए अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में रामलला के स्वागत एवं उनकी प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है, जिसकी तैयारी धूमधाम से हो रही है। इस बीच आज रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइड एक्स पर एक पोस्ट जारी कर श्री राम घर आए भजन गाने वाली गायिका की तारीफ की है।

गीताबेन रबारी का ये भजन भावविभोर करने वाला है = प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- अयोध्या में प्रभु श्री राम के दिव्य-भव्य मंदिर में राम लला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। देशभर के मेरे परिवारजनों को उनकी प्राण-प्रतिष्ठा की बेसब्री से प्रतीक्षा है। उनके स्वागत में गीताबेन रबारी जी का ये भजन भावविभोर करने वाला है। अयोध्या में प्रभु श्री राम के दिव्य-भव्य मंदिर में राम लला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। देशभर के मेरे परिवारजनों को उनकी प्राण-प्रतिष्ठा की बेसब्री से प्रतीक्षा है। उनके स्वागत में गीताबेन रबारी जी का ये भजन भावविभोर करने वाला है। पीएम मोदी ने अपनी इस पोस्ट के साथ-साथ श्री राम घर आए भजन का यूट्यूब लिंक भी साझा किया है। इससे पहले मोदी ने अपने मासिक रेडियो प्रसारण मन की बात के 108वें एपिसोड के दौरान देशवासियों को संबोधित कर कहा था, अयोध्या में राम मंदिर अभिषेक से पहले पूरे देश में बहुत उत्साह और उमंग का माहौल है। बता दें कि, अयोध्या में प्रभु श्री राम के दिव्य-भव्य मंदिर में राम लला के आगमन व उनके स्वागत में गीताबेन रबारी ने भावविभोर करने वाला बेहद ही सुंदर भजन गाया है।

चर्चा में पूर्व सीएम शिवराज की ये पोस्ट

लाड़ली बहनों

10 तारीख आने वाली है...

सिटी चीफ...भोपाल। *शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर महिलाओं की तस्वीर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, लाड़ली बहनों, 10 तारीख आने वाली है...। एक बार फिर आपके खाते में खुशियों की किस्त जमा होगी। इससे एक दिन पहले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले के भेरुंदा पहुंचे थे। वहां उन्होंने रोड स्वीपिंग और स्काई लिफ्ट का लोकार्पण किया और लाडली बहनों को संबोधित किया था। वहां उन्होंने भरोसा दिलाया कि लाडली बहनों को लखपति बहना बनाने का अभियान हर हाल में चलाएंगे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बहनों चिंता मत करना, 10 तारीख को लाडली बहनों के खाते में पैसा आएगा। बहन-भाई का रिश्ता विश्वास का होता है, इसकी डोर कभी टूटेगी नहीं। उन्होंने लाडली बहनों के सिर पर हाथ रखा और गले लगाया।इस योजना के तहत महीने की 10 तारीख को प्रदेश की महिलाओं के खाते में 1000 रुपये जाने का प्रावधान है। कई अटकलों के बाद यह साफ हुआ है कि योजना के तहत महिलाओं को इस महीने अपने खाते में पैसे मिल जाएंगे।*

मप्रः लाड़ली बहना योजना में बहनों के खातों में 10 जनवरी को जमा होगी राशि

सिटी चीफ

भोपाल । मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों के खातों में 10 जनवरी को राशि अंतरित की जाएगी। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में 10 से 15 जनवरी तक महिला सशक्तिकरण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही मकर संक्रान्ति पर्व के दौरान भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को भी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शनिवार देर शाम इंदौर से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए ली गई युवा दिवस, मकर संक्रान्ति और लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के संबंध में तैयारियों की बैठक में दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इन कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में इंदौर से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और भोपाल से मुख्य सचिव वीरा राणा सहित सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप 10 से 15 जनवरी तक महिला सशक्तिकरण पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। इस दौरान महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिये क्रियान्वित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी जाए। साथ ही उनके रोजगार पर आधारित कार्यक्रम भी हों। उन्होंने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में युवाओं के लिये कार्यक्रमों का विशेष आयोजन किया जाये। स्वामी विवेकानन्द के विचारों को उनके सांस्कृतिक अवदानों के बारे में परिचर्चाएं, निबंध-लेखन, संभाषण और गोष्ठियां आयोजित की जाये। समाज में स्वामी विवेकानंद विचारों का सामाजिक संगठनों के माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। बैठक में आगामी 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बारे में भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी भारतीय परम्परा में मकर संक्रान्ति पर्व का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य उत्तरायण की ओर जाता है। इस पर्व का जहाँ एक ओर धार्मिक महत्व है वहीं दूसरी ओर उसका वैज्ञानिक महत्व भी है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रान्ति पर्व पर परम्परागत खेलों को बढ़ावा देते हुए कार्यक्रम किये जाएं। साथ ही युवाओं को मकर संक्रान्ति का वैज्ञानिक महत्व बताने के लिये भी कार्यक्रम हों। इन कार्यक्रमों में वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया जाये। भजन मण्डलियों को भी कार्यक्रम में शामिल करें। उन्होंने पतंगबाजी सहित अन्य देशी खेलों के आयोजन के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पतंगबाजी में चायना डोर के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाये।

अवैध बाल संरक्षण गृहों पर हो सख्त कार्यवाही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि पूरे प्रदेश में कोई भी अवैध बाल संरक्षण गृह संचालित नहीं हो। अवैध बाल संरक्षण गृह पाये जाने पर उन्होंने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इसके लिये सतत निरीक्षण भी करते रहें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में इंदौर से महापौर पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, विधायक रमेश मेंदोला, उषा ठाकुर, मालिनी गौड़ तथा गोलू शुक्ला, गौरव रणदीवे, घनश्याम नारोलिया, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह, इंदौर कमिश्नर माल सिंह, पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर, कलेक्टर आशीष सिंह सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सिंगल कॉलम

मंत्री की नाराजगी के बाद तीन ठेकेदारों को दिया नोटिस

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में पीएचई से संबंधित कार्यों में लापरवाही व दिक्कत के चलते कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह की नाराजगी के बाद तीन ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद ठेकेदारों ने भी तेजी से काम की शुरुआत की है। वार्ड 35 में न्यू शांति नगर, जौहरी कालोनी में पानी की आपूर्ति की दिक्कत के साथ ही वार्ड 49 व 51 में पेयजल सप्लाई व ओवरहैड टैंक चालू नहीं होने पर कैबिनेट मंत्री ने नाराजगी जताई थी। तब सहायक यंत्री केसी अग्रवाल ने मैसर्स विष्णु कुमार आर पुगलिया जोधपुर, मैसर्स एसएस इंटरप्राइजेज सुभाषपुरी घासमंडी व मैसर्स जैन एंड राय कंस्ट्रक्शन कंपनी को पत्र भेजकर तीन दिन में कार्य शुरू नहीं होने पर जुर्माने की कार्रवाई की चेतावनी दी।संपत्तिकर एवं जलकर आफलाइन जमा होगा साइबर हमले के कारण नगरीय प्रशासन व विकास विभाग का महत्वपूर्ण ई-नगर पालिका पोर्टल बंद पड़ा हुआ है। इस पोर्टल के बंद होने के कारण प्रदेश के सभी 412 नगरीय निकायों में संपत्तिकर व जलकर वसूली का काम ठप पड़ा हुआ है। नगरीय प्रशासन विभाग ने पोर्टल बंद होने के कारण आफलाइन वसूली करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद अब नगर निगम ग्वालियर द्वारा रविवार से आफलाइन वसूली की शुरूआत की जाएगी, इसके लिए नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने आदेश जारी कर दिए हैं। निगमायुक्त ने बताया कि प्रदेश स्तर पर ई-नगर पालिका पोर्टल में समस्या आने के कारण जलकर, संपत्तिकर व राजस्व कर की रसीदें आफलाइन काटने के निर्देश जारी किए गए थे। अब सभी कर संग्राहकों को रसीद कट्टे जारी कर दिए गए हैं। निगमायुक्त ने सभी एपीटीओ, टीसी व राजस्व टीसी को रसीद कट्टे का रिकार्ड अपने पास रखने और पोर्टल चालू होने पर 10 दिन के अंदर उसे आनलाइन करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने सभी शहरवासियों से अपील की है कि सभी संपत्तिकर व जलकरदाता समय पर टैक्स जमा कर शहर विकास में सहयोग प्रदान करें। इसी क्रम में जलकर वसूली के लक्ष्य की पूर्ति व आम नागरिकों की सुविधा के लिए रविवार को अवकाश के दिन भी सभी जलकर कैश विंडो खुली रहेंगी, ताकि उपभोक्ता आसानी से कर जमा कर सकें।

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, आडी, सिट्रोन, जीप कार भी मेले में आएंगी नजर

मेले में वाहनों की बिक्री पर पचास फीसदी रोड टैक्स की छूट मिलने के बाद मर्सिडीज, बीएमडब्लयू, आडी, सिट्रोन और जीप कार भी मेले में नजर आएंगी। मर्सिडीज, बीएमडब्लयू, आडी के डीलर ग्वालियर में नहीं हैं इसलिए इंदौर से डीलर आएंगे। आटोमोबाइल सेक्टर में शोरूम तैयार करने के लिए विभिन्न कंपनियों के डीलरों के बीच प्रतिस्पर्धा सी चल रही है। आटोमोबाइल कारोबारियों ने शोरूम तैयार होने तक गाड़ियों की ब्राडिंग के लिए केनोपी लगाकर अपने कर्मचारी तैनात कर दिए हैं। साथ ही ट्रेड लाइसेंस के लिए परिवहन कार्यालय में आवेदन कर दिए हैं। परिवहन विभाग स्टाल तैयार होने के बाद लाइसेंस जारी करेगा।सिट्रोन और जीप मेले में पहली बार नजर आएंगी। स्थानीय आटोमोबाइल कारोबारी हरिकांत समाधिया इन कार को लेकर आए हैं। बताते हैं कि इनकी भी जबरदस्त मांग चल रही हैं। ग्वालियर मेला प्राधिकरण ने 61 आटोमोबाइल कारोबारियों को जगह आवंटित की है। इनमें इंदौर के कारोबारी भी शामिल हैं। मंकर संक्राति तक आटोमोबाइल कारोबारियों के शोरूम बनकर तैयार होने की उम्मीद है। जिससे न ग्राहक वाहन पर छूट का लाभ ले सकें और कारोबारी बिक्री शुरू कर सकें। परिवहन अधिकारी एचके सिंह ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस के लिए आटोमोबाइल कारोबारी आवेदन कर रहे हैं। अब तक 16 कारोबारियों से लाइसेंस के लिए आवेदन परिवहन विभाग के कार्यालय भेजे हैं। आटोमोबाइल कारोबारी और ग्राहक मेले में मिलने वाली टेक्स का लाभ उठाने के लिए तैयारी कर चुके हैं। महेन्द्रा ने 1500 से 2000 कार बिक्री का प्लान बना रखा है। इसी तरह अन्य आटोमोबाइल कंपनियों ने भी अपने-अपने लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं। हुंडई की ग्वालियर में 12 रेंज में कार उपलब्ध हैं। इनमें क्रेटा, वेन्यु सहित अन्य कारों की बुकिंग हो चुकी है। अब तक 180 कार बुक कराई जा चुकी हैं। नई रेंज में एस्टर आई है। यह पेट्रोल व सीएनसी है। वहीं महेन्द्रा की 9 रेंज उपलब्ध हैं। इनमें थार, स्कार्पियो, क्लासिक, न्यू स्कार्पियो, बोलेरो, एसयूवी के साथ इलेक्ट्रिक कार भी शामिल है। अब तक करीब एक हजार कार बुक हो चुकी हैं। इसी तरह दोपहिया वाहनों की बुकिंग भी चल रही है। साठ से सत्तर लाख की कार पर मिलेगा पांच से छह लाख तक का फायदा

मेले में साठ से सत्तर लाख की कार पर ग्राहक को पांच से छह लाख रुपए तक का फायदा होगा। जबकि 15 से 19 लाख तक की कार पर 60 से 70 हजार तक का फायदा ग्राहक ले पाएंगे। चार पहिया वाहन की खरीदी पर ही ग्राहक को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। दो

इंदौर में बोले मुख्यमंत्री मोहन यादव - मकर संक्रांति पर मध्य प्रदेश में तीन से चार दिन मनाया जाएगा उत्सव

सिटी चीफ इंदौर।

मकर संक्रांति पर मध्य प्रदेश में तीन से चार दिन उत्सव बनाया जाएगा। इस दौरान पारंपरिक पतंगबाजी, गुल्ली-डंडे सहित अन्य खेल होंगे। वहीं, युवाओं को इस पर्व का वैज्ञानिक महत्व बताने के लिए विज्ञान जागरूकता संबंधित आयोजन होंगे, जिसमें विज्ञानी भी शामिल होंगे। इसके अलावा प्रदेश में 10 से 15 जनवरी के बीच महिला सशक्तीकरण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। लाड़ली बहना योजना की राशि बहनों के खातों मे 10 जनवरी को जमा होगी।ये बातें शनिवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इंदौर में कही। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से युवा दिवस, मकर संक्रांति और लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक ली। मुख्यमंत्री ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महिला सशक्तीकरण पर जोर बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महिला सशक्तीकरण पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने चार श्रेणियां किसान, युवा, महिला व गरीब बताई है। महिला सशक्तीकरण के लिए प्रदेश सरकार भी काम कर रही है। महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रमों में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्रियान्वित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी जाए। साथ ही उनके रोजगार पर आधारित कार्यक्रम भी हों। युवा दिवस पर युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम हों मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में युवाओं के लिए कार्यक्रमों का विशेष आयोजन हो। स्वामी विवेकानन्द के विचारों को उनके सांस्कृतिक अवदानों के बारे में परिचर्चाएं, निबंध लेखन, संभाषण और गोष्ठियां आयोजित की जाएं। मुख्यमंत्री ने पतंगबाजी में चायना डोर के उपयोग को पूर्णत: प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। अवैध बाल संरक्षण गृहों पर हो सख्त कार्रवाई मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में कोई भी अवैध रूप से संचालित बाल संरक्षण गृह पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस संबंध में सतत निरीक्षण के निर्देश दिए। महापौर, आइडीए अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी हुए शामिल कलेक्टर कार्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, विधायक रमेश मेंदोला, उषा ठाकुर, मालिनी गौड़ तथा गोलू शुक्ला सहित अन्य प्रमुख लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों के अधिकारियों से भी चर्चा की।

महालक्ष्मी नगर में इंजीनियर के घर से दिनदहाड़े लाखों की चोरी

सीसीटीवी फुटेज में दिखे दो बदमाश

महालक्ष्मी नगर में शनिवार दोपहर बदमाश इंजीनियर (रिटायर) कमलेश जैन के घर से लाखों का सामान चुरा ले गए। पड़ोसियों ने दरवाजा टूटा देखकर पुलिस बुलाई और रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस को दो बदमाशों के सीसीटीवी फुटेज मिल गए है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में पदस्थ रहे कमलेश जैन मंगलवार से सोमनाथ और गिरनार जी घुमने गए हैं। शनिवार को सहायिका प्रेमाबाई घर आई और दरवाजा खुला देख कर काल लगाया। कमलेश ने तत्काल पड़ोसी राजीव को फोन लगाकर घटना बताई। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए।बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली है। अलमारियां तोड़ कर सामान भी अस्त व्यस्त किया है। जैन के मुताबिक घर में कैश तो ज्यादा नहीं था लेकिन बदमाश सोना-चांदी के आभूषण ले गए है। पुलिस को चोरी गए सामान की सूची उनके आने के बाद ही मिलेगी। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित सिलिकॉन सिटी में चोरों ने सूने फ्लैट से सोना-चांदी और हीरे के आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने फरियादी गौरव जयप्रकाश आर्य की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक घटना रणजीत अपार्टमेंट सिलिकॉन सिटी में हुई है। इसी तरह एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित कान्यकुंज नगर में सुमन चांडक के घर से भी चोर आभूषण व नकदी चुरा कर ले गए है।

मोहन यादव ने वाल्मीकि धाम आश्रम में संत सोहन दास समाधि की पर अर्पित की पुष्पांजलि

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर के नवविस्तारित क्षेत्र महाकाल महालोक में बनाए देश के सर्वश्रेष्ठ स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब 'प्रसादम' और 'अवंतिका हाट बाजार' का उद्घाटन के लिए मुख?यमंत्री मोहन यादव उज्जैन पहुंच गए हैं। इससे पहले उज्जैन में वाल्मीकि धाम आश्रम पहुंचे, जहां उन?होंने संत सोहनदास जी की समाधि और प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर प्रदेश के सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस दौरानबालयोगी उमेशनाथ महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन में वाल्मीकि धाम आश्रम पहुंचकर संत श्री सोहनदास जी की समाधि और प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर प्रदेश के सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। बता दे कि मुख्यमंत्री मोहन यादव आज महाकालेश्वर मंदिर के नवविस्तारित क्षेत्र महाकाल महालोक में बनाए देश के सर्वश्रेष्ठ स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब 'प्रसादम' और 'अवंतिका हाट बाजार' का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मंडाविया भी शामिल होंगे। इसके साथ ही 218 करोड़ रुपये के 187 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया जाएगा। 50 फूड स्टाल खुलेंगे बता दें कि प्रसादम में विभिन्न व्यंजनों की उपलब्धता के लिए लगभग 50 फूड स्टाल खोले जाएंगे, इसके लिए जल्द ही दुकान आवंटित होगी।

इंदौर में इस दिन से शुरू होगी अयोध्या के लिए डायरेक्ट ट्रेन

फ्लाइट और बस भी चलेगी, तैयारियां जारी

सिटी चीफ इंदौर।

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के साथ ही देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। ऐसे में रेलवे द्वारा देशभर से अयोध्या तक ट्रेन चलाई जाएगी। वर्तमान में इंदौर से अयोध्या तक सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी नहीं है। ऐसे में इंदौर से अयोध्या तक सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की योजना रेलवे द्वारा बनाई जा रही है। इंदौर के जनप्रतिनिधियों ने भी ट्रेन सेवा शुरू करने के लिए रेल मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह किया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर रेलवे स्टेशन से जनवरी के आखिरी सप्ताह या फरवरी माह में अयोध्या के लिए रेलवे सेवा शुरू की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि रेलवे ने भी इसकी तैयारी शुरू कर दी है।इंदौर से वर्तमान में अयोध्या तक सीधी कनेक्टिविटी नहीं है।

सांसद शंकर लालवानी विगत दिनों इंदौर से अयोध्या तक सीधी ट्रेन चलाने के लिए रेल मंत्री को पत्र लिख चुके है। एआइसीटीएसएल भी अयोध्या तक बस चलाने के लिए टेंडर निकाल चुका है। आपरेटर मिलने के बाद 22 जनवरी से सीधी बस सेवा शुरू की जा सकती है। सीधी उड़ान होगी शुरू सांसद शंकर लालवानी ने बीते दिनों एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक में एयरलाइंस कंपनियों को अयोध्या तक सीधी उड़ान शुरू करने के लिए कहा है। कई विमान कंपनियां इंदौर से अयोध्या तक उड़ान शुरू करने की तैयारी में जुटी है। क्योंकि की पूरे मालवा और निमाड़ क्षेत्र से बड़ी संख्या में हवाई यात्री विमान कंपनियों को मिल सकते है। इंदौर से वर्तमान में इंडिगो द्वारा लखनऊ और वाराणसी तक सीधी उड़ानें संचालित की जा रही है। लखनऊ उड़ान को भी अयोध्या तक बढ़ाने की संभावनाएं देखी जा रही है। उज्जैन से अयोध्या के लिए तीन ट्रेन इंदौर से अयोध्या के लिए सीधी ट्रेन नहीं है। इंदौर के यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए उज्जैन से ट्रेन पकड़ा होगी। यहां से अयोध्या के लिए तीन ट्रेनें गुजरती है। इसमें सप्ताह में चार दिन साबरमती-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस, सप्ताह में तीन दिन साबरमती-दरभंगा एक्सप्रेस और एक दिन मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस की सुविधा मिलती है। यह सभी ट्रेनें रनिंग ट्रेनें होने से इंदौर के यात्रियों को पर्याप्त सिटी उपलब्ध नहीं हो पाती है। ऐसे में सीधी ट्रेन सुविधा होने से लोगों को भटकने से राहत मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह के विज़न पर काम करें

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने की विभागीय समीक्षा

मध्यप्रदेश में नहीं चलेगा भ्रष्टाचार; अधिकारियों को दिये निर्देश

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के विज़न की दिशा में मध्यप्रदेश काम कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार मध्यप्रदेश में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अधिकारी जीरो टॉलरेंस पर काम करें और सजग रहें। मंत्री सारंग ने शनिवार को समन्वय भवन में सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। मंत्री सारंग ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी सहकारिता शामिल है। नागरिकों के जीवन में अच्छा लाने के उद्देश्य से विभाग कार्य करें। अधिकारी सहकारिता की नींव को और अधिक मजबूत कर सहकारिता की साख बढ़ाने में अपना उत्कृष्ट योगदान दें। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह के विज़न पर काम करें मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकार से किसान की समृद्धि के लिए सहकारिता आंदोलन को मज़बूत करने का काम किया है यह संदेश हमें किसानों तक पहुंचना है। उन्होंने कि सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में उन्हीं के विजन को आगे बढ़ाना है। केंद्र सरकार के 54 बिंदुओं पर काम करना सुनिश्चित करें मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का उद्देश्य है कि सहकारिता के माध्यम से गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 54 बिंदुओं पर भी काम करना सुनिश्चित किया जाये। इसकी समयसीमा निर्धारित कर मॉनिटरिंग की जाये। सहकारिता मंथन कार्यक्रम और नवाचार विंग की करें शुरूआत मंत्री सारंग ने निर्देश दिये कि एक माह के अंदर 'सहकारिता मंथन' कार्यक्रम किया जाये। जिससे पूरे प्रदेश के अधिकारियों को जोड़कर रोडमैप सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सहकारिता विभाग में जल्द ही नवाचार विंग बनाये जाने के भी निर्देश दिये। यह नवाचार विंग सहकारिता विभाग को नई ऊंचाई पर ले जाने में सहायक होगी। आवास संघ का सिविल विंग मजबूत हो मंत्री सारंग ने समीक्षा बैठक के दौरान आवास संघ की सिविल विंग को मजबूत करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिये उन्होंने कहा कि अनुबंध आधार पर अनुभवी सेवानिवृत्त इंजीनियर्स को जोड़ने का कार्य करें, जिससे विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति व गुणवत्ता में और अधिक सुधार होगा। सुशासन की दिशा में कार्य करने के लिये ट्रेनिंग की आवश्यकता मंत्री सारंग ने कहा कि सुशासन की दिशा में कार्य करने के लिये अधिकारियों-कर्मचारियों सहित हर स्तर पर ट्रेनिंग का मॉड्यूल तैयार कर प्रशिक्षण दिया जाये, जिससे कि उनमें कार्य संस्कृति विकसित हो। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अनुशासन भी लाता है, इससे कार्यप्रणाली मजबूत होगी। बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, आयुक्त एवं रजिस्ट्रार श्री आलोक कुमार सिंह एवं अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान सहकारिता विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी गई। सभी विंग के प्रमुखों ने अपनी-अपनी विंग का प्रस्तुतीकरण दिया।

ग्वालियर में कचरे के ऊंचे पहाड़, रैंकिंग को देंगे बिगाड़

नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में वाटर प्लस का खिताब मिल चुका है, लेकिन समग्र रैंकिंग में बहुत ज्यादा लाभ मिलने की संभावना कम ही है। निगम ने इस बार गार्बेज फ्री सिटी की सेवन स्टार रेटिंग के लिए दावेदारी की है, लेकिन इस दावेदारी में निगम को बहुत ज्यादा लाभ नहीं होगा। इसका कारण है कि गार्बेज फ्री सिटी की स्टार रेटिंग के लिए शहर में लेगेसी वेस्ट यानी लैंडफिल साइट पर पुराना कचरा मौजूद नहीं रहना चाहिए। नगर निगम के अधिकारियों को उम्मीद थी कि इस बार वे कचरे के निस्तारण की शुरुआत कर सकेंगे, लेकिन इस साल निस्तारण की शुरुआत नहीं हो सकी। ऐसे में केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से इशारा कर दिया गया है कि इस बार स्टार रेटिंग में परिवर्तन की संभावना कम ही है।

पितृ पर्वत पर होगी टिफिन पार्टी, चिमनबाग मैदान पर होगा सबके राम सब में राम कार्यक्रम

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 7 जनवरी को होंगे। रविवार की छुट्टी के दिन शहरभर में विभिन्न समाजों के परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इसमें सर्व ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय मराठा समाज, राजपूत समाज, दिगंबर जैन समाज के सम्मेलन होंगे। इसके साथ ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लास भी सेवा भारती के सबके राम सब में राम और संस्था सृजन की टिफिन पार्ट में भी नजर आएगा। नौ दिनी कल्पद्रुम महामंडल विधान दिगंबर जैन नवग्रह जिनालय, ग्रेटर बाबा परिसर में आयोजित किया जा रहा है। विधान अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज एवं क्षुल्लक अनुश्रमण सागर महाराज के सान्निध्य में होगा। इसमें सुबह 7 बजे से मंगलाष्टक, अभिषेक, पूजन, शांतिधारा, गुरुआज्ञा, दीप प्रज्वलन, मंडप उद्घाटन, मंडप शुद्धि, अंकुरारोपण के साथ विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।- श्री भारतवर्षीय खण्डेलवाल दिगम्बर जैन महासभा के तत्वावधान में दिगम्बर जैन समाज का युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन एरोड्रम रोड़ स्थित नृसिंह वाटिका पर सुबह 10 बजे से होगा। सम्मेलन के लिए 750 से अधिक प्रविष्टियां आई हैं। इस अवसर पर बहुरंगी स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। राजपूत समाज का शिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन सुबह 10 बजे मयंक ब्लू वाटर पार्क में आयोजित किया जाएगा। राजपूत समाज चेतना मंडल द्वारा आयोजित सम्मेलन में 482 युवक-युवती शामिल होंगे। आयोजन में विभिन्न राज्यों के युवक-युवती भाग लेंगे। क्षत्रिय मराठा सोश्यल ग्रुप द्वारा अखिल भारतीय विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन गांधी हॉल परिसर में सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर के 12 राज्यों से 600 से अधिक उच्च

शिक्षित युवक-युवती परिजनों के साथ आएंगे। इस अवसर पर बहुरंगीय परिचय पत्रिका मिलन का विमोचन किया जाएगा। आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के तत्वावधान में अ.भा. सर्व ब्राह्मण युवा-युवती परिचय सम्मेलन राज मोहल्ला स्थित खालसा कालेज परिसर में सुबह 11 बजे से होगा। इसमें विवाह योग्य तीन हजार प्रत्याशी भाग लेंगे। आयोजन के लिए बनाई गई परिचय पुस्तिका के 300 पृष्ठों में 2100 प्रत्याशियों के सचित्र बहुरंगी विवरण प्रकाशित किए गए हैं। संस्था सृजन द्वारा टिफिन पार्ट पितृ पर्वत पर रविवार को आयोजित की जाएगी। पार्टी को इस बार अयोध्या में हो रही भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए रामलला के रंग रंगा जाएगा। समाज को एक साथ करने के लिए पुरानी परंपरा से नई पीढ़ी को जोड़ने के अभिनव प्रयासों के तहत टिफिन पार्टी आयोजित की जा रही है। मातृशक्ति बसों से 12 बजे पार्टी स्थल पर पहुंचेंगी। इसमें राम मंदिर निर्माण गाथा पर बौद्धिक चर्चा, दीपोत्सव, हनुमान चालीसा, लेजर शो का आयोजन होगा। इस मौके पर 11 हजार दीपक जलाकर 11 हजार हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। नौ दिनी रामकथा गणेश नगर में दोपहर 1 बजे से होगी। इस कथा प्रसंग के अनुसार उत्सव मनाए जाएंगे। कथा आचार्य डा. सुरेश्वरदास महाराज के मुखारविंद से होगी। सेवा भारती द्वारा दोपहर 3.30 बजे सबके राम सब में राम कार्यक्रम चिमनबाग मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इसमें साध्वी ऋतम्भरा संबोधित करेंगी। आयोजन के माध्यम से सेवा भारती प्रकल्प संचालन टोलियों का एकत्रीकरण भी होगा। समारोह में मालवा प्रांत के संघचालक डा. प्रकाश शास्त्री, उद्योगपति पवन सिंघानिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

दावत फूड लिमिटेड को दो माह के भीतर 161 करोड़ से अधिक रुपये देने का आदेश

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी की वाणिज्यिक न्यायालय के न्यायाधीश बीआर यादव ने चार वर्ष पुराने क्लेम के एक मामले की सुनवाई करते हुए एक बड़ा फैसला सुनाया है। फैसले में द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को मंडीदीप की दावत फूड लिमिटेड कंपनी को क्लेम के रूप में दो माह के अंदर 161 करोड़ 20 लाख 27 हजार 743 रुपये की राशि अदा करने के आदेश दिए हैं। साथ ही उक्त फैसले में इंशोरेंस कंपनी को नुकसान के दिन से भुगतान की तारीख तक छह प्रतिशत वार्षिक की दर से जो की करीब 90 करोड़ रुपये होता है चुकाने का भी आदेश दिया है।दावत फूड्स कंपनी जो की मंडीदीप में एक प्लांट का संचालन करती थी उसने द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जो की संपत्ति का बीमा करती है उससे कंपनी की संपत्ति का जिसका मूल्य तीन सौ तिहत्तर करोड़ तिरेपन लाख चौरासी हजार आठ सौ तिरेपन रूपये का बीमा कराया था। जिसकी प्रीमियम की राशि तीस लाख बयासी हजार छह 681 0रूपये अदा किया गया था। बीमा की अवधि तिथि 18 जनवरी 2014 से दिनांक 17 जनवरी 2015 तक थी। सात जून 2014 को प्रात: 03=50 बजे मंडीदीप स्थित प्लांट में शार्ट-सर्किट से आग लगने के कारण 161,20,27,743 रूपये की संपत्ति का नुकसान उठाना पड़ा था। जिस पर दावत फुड्स कंपनी द्वारा क्षतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत किया था। जिस पर न्यायालय ने बतौर क्षतिपूर्ति राशि दो माह के अंदर 161 करोड़ 20 लाख 27 हजार 743 रुपये की राशि अदा करने के आदेश दिए। साथ ही उक्त फैसले में इंशोरेंस कंपनी को नुकसान के दिन से भुगतान की तारीख तक छह प्रतिशत वार्षिक की दर से जो की करीब 90 करोड़ रुपये होता है चुकाने का भी आदेश दिया है।

बदमाशों ने युवक को मारी तलवार, वाहनों में की तोड़फोड़

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के ऐशबाग थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात लगभग एक दर्जन बदमाशों में तलवार, डंडों से लैस होकर एक युवक के घर पर हमला बोल दिया। उन्होंने युवक को तलवार मारकर घायल कर दिया। साथ ही एक आटो रिक्शा सहित कई वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। बदमाश करीब आधा घंटे तक आतंक मचाने के बाद भाग निकले। उनकी इस हरकत से इलाके में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। आरोपित फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। उनकी तलाश में पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।ऐशबाग थाना पुलिस के अनुसार मोहम्मद साहब ऐशबाग इलाके में रहते हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे वह अपने घर पर थे। तभी अचानक अरमान, शफीक, बच्चा, अदनान, अमन, फरदीन, मुन्ना व उनके साथी हथियार लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने घर से बाहर बुलाकर मोहम्मद साहब के साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। मोहम्मद साहब ने जब इसका विरोध किया तो उन बदमाशों ने उनके साथ झूमाझटकी करते हुए तलवार से हमला कर दिया। साथ ही वहां खड़े वाहनों में जमकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। लगभग आधे घंटे तक वहां पर जमकर उत्पात मचाया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और जब तक पुलिस पहुंची, तो सभी वहां से फरार हो गए।

10वीं की छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

पड़ोसियों की मदद से हुआ अंतिम संस्कार

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के कोलार थाना क्षेत्र में एक किशोरवय बालिका ने घर में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। स्वजन को जब इसके बारे में पता चला वे तुरंत उसे अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। किशोरी 10वीं क्लास की छात्रा थी। सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण फिलहाल खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। किशोरी के स्वजन की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। यहां तक कि उनके पास किशोरी के अंतिम संस्कार के लिए भी रुपये नहीं थे। अंततः किसी तरह पड़ोसियों की मदद से अर्थी सजाकर नगर निगम के सहयोग से किशोरी का अंतिम संस्कार किया गया।कोलार थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में स्थित लक्ष्मी परिसर, प्रियंका नगर में रहने वाली 17 वर्षीय दीपमाला पुत्री स्व. दिनेश यहां अपने नाना के साथ रहती थी। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। वह 10वीं कक्षा की छात्रा थी। गुरुवार को उसने अपने घर में जहर खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर जब स्वजन ने उससे पूछा, तो उसने जहर खाने की बात बताई। इस पर स्वजन तुरंत एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे और उपचार के लिए भर्ती कराया।

रवींद्र भवन में गूंजेगी संगीतमय महागाथा श्रीराम मंदिर की

जीएमसी के सभागार में सजेगी संगीत की महफिल

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। रविवार 07 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।बाग उत्सव - मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से जवाहर चौक में स्थित मृगनयनी एंपोरियम में बाग उत्सव के तहत बाग प्रिंट के वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। बाग उत्सव का समय सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का शुभारंभ आज होगा। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। पुरातत्व प्रदर्शनी - राज्य संग्रहालय में डा. वीएस वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान द्वारा प्रदेश भर में निष्पादित पुरातत्वीय कार्यों और शैलश्रालयों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। संगीत संध्या - किरण फाउंडेशन की ओर से गांधी मेडिकल कालेज के सभागार में संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। अंगदान के लिए प्रेरित करने वाले इस कार्यक्रम का समय शाम चार बजे से है। गाथा श्रीराम मंदिर की - रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में श्री करुणाधाम आश्रम द्वारा गाथा श्री राम मंदिर की...कार्यक्रम पेश किया जाएगा। इस मौके पर अभिनेता व वक्ता मोहित शेवानी संगीतमय महागाथा प्रस्तुति करेंगे। इस प्रस्तुति में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म, जीवन और जय की कहानी सुनाई जाएगी। सैकड़ों वर्षों की प्रतीक्षा में अयोध्या ने क्या-क्या देखा, कितने आक्रमण झेले, कितने उत्तर दिए, कौन-कौन बलिदानी रहा, जिनके रक्त की धार इस मिट्टी को सिंचित कर गई आदि को दिखाया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव 'सनातन भूषण' की उपाधि से सम्मानित, हरिद्वार में मिला सम्मान

सिटी चीफ भोपाल।
मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने पंचायती निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार में शनिवार को सनातन भूषण की उपाधि से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डा. यादव हरिद्वार में महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत पूज्य स्वामी रविंद्र पुरी महाराज के आश्रम पहुंचे। मुख्यमंत्री ने महंत से भेंटकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री को महंत श्रीपुरी जी महाराज ने प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आज सनातन भूषण सम्मान एवं सन्त समागम कार्यक्रम में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद द्वारा पंचायती निरंजनी अखाड़ा, हरिद्वार में सनातन भूषण से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री का किया स्वागत हरिद्वार में मुख्यमंत्री गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंचे थे। जहां शांतिकुंज व्यवस्थापक महेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री डा. यादव का हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने शांतिकुंज में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डा. प्रणव पंडया एवं शैल दीदी से भेंट कर विभिन्न रचनात्मक और सृजनात्मक विषयों पर चर्चा कर आशीर्वाद लिया। डा. पंडया और शैल दीदी ने मुख्यमंत्री का मंगल तिलक कर अभिनंदन किया। सीएम बनने के बाद पहली बार शांतिकुंज पहुंच मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार शांतिकुंज पहुंचे मोहन यादव ने सन् 1926 से सतत प्रज्वलित सिद्ध अखंड दीपक का दर्शन कर समाज और प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति गुरु और गुरुकुल दोनों की महिमा बताती है। त्रेता युग में भगवान श्रीराम और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने गुरुकुल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। हमारा यह सौभाग्य है कि मध्य प्रदेश भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली के रूप में भी जाना जाता है।

सीवर से निकला बीस टन कचरा अब सभी नालियां होंगी साफ

सिटी चीफ भोपाल।
शहरवासियों द्वारा नालियों में फेंकी जाने वाली पालीथीन कचरा गोबर के कारण शहर की सीवर लाइन लगातार जाम हो रही है। राजमाता चौराहे पर चौक सीवर लाइन की सफाई का कार्य निरंतर चार दिन से चल रहा है । इस सीवर लाइन से अभी तक नगर निगम के द्वारा तीन डंपर कचरा निकलकर चालू करा दिया गया है। इस कचरे में पॉलिथीन, गोबर, पॉलिथीन में भरकर फेके गए घर का कचरा आदि शामिल है । वहीं चौक सीवर लाइन को साफ करने का नगर निगम द्वारा शहरभर में अभियान चलाया जाएगा और नालियों में कचरा फेंकने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निगमायुक्त श्री हर्ष सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि नालियों में गोबर व कचरा न बहाए।नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह ने बताया कि आमजनों द्वारा नालियों में कचरा फेंके जाने के कारण लगातार सीवर लाइन चौक हो रही हैं। ऐसा ही मामला राजमाता चौराहे के पास महलगांव से आने वाली सीवर लाइन में भी हुआ है । महलगांव के निवासियों द्वारा इस सीवर लाइन में लगातार गोबर बहाया जा रहा था । साथ ही नालियों में पॉलिथीन एवं पॉलीथिन में भरकर घर का कचरा भी फेंक दिया गया था, जो कि सीवर लाइन में जाकर जाम हो गया। इसके कारण राजमाता चौराहे की सीवर लाइन का गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है सूचना मिलते ही नगर निगम द्वारा विगत चार दिनों से इस सीवर लाइन की सफाई का कार्य किया जा रहा है। महलगांव निवासियों द्वारा गोबर बहाए जाने के कारण सीवर लाइनों में यह गोबर ठोस कंक्रीट की तरह जम गया है जिसे निकालने में काफी परेशानी भी आ रही है। नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि वहां घर का कचरा नगर निगम के डोर टू डोर वाहन में ही डालें साथ ही नालियों में कचरा ना फेंके, गोबर कलेक्शन के लिए आने वाली गाड़ियों में गोबर डालें उसे नालियों में ना बहाए। नालियों में कचरा पॉलिथीन और गोबर बाहर जाने वालों पर नगर निगम द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एलआइसी तिराहा का रास्ता बंद- कलेक्टर के दखल से भी नहीं टूटी अफसरों की नींद

एलआइसी तिराहे का यातायात रोकने से जनता को परेशान होते 72 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन अधिकारियों की नींद अभी भी नहीं टूट रही है। चौराहे को अभी भी रोका हुआ है और यह अव्यवस्था किसकी वजह से इसकी जिम्मेदारी कोई भी अधिकारी लेने के लिए तैयार नहीं है। चिंता की बात यह है कि कलेक्टर के दखल के बाद भी अफसर चैन की नींद सो रहे हैं। बता दें कि कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने इस मामले में समीक्षा कर कार्रवाई करने की बात कही है।इस मामले में अफसरों से सवाल पूछो तो वो सिर्फ एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाने में लगे हुए हैं। नगर निगम ट्रैफिक पुलिस को इंगित कर रहा है और ट्रैफिक पुलिस सीधा नगर निगम की गलती बता रहा है। वहीं तिराहे की स्थिति देखें तो दोनों ओर से सड़क को खोद दिया है और मिट्टी का ढेर जमा कर दिया है। सड़क के दूसरी ओर जेसीबी और ट्रैक्टर खड़े कर रास्ता रोक दिया है। दो दिनों से बदइंतजामी की मार झेल रहे लोग अब तिराहे वाली सड़क पर आने से कतरा रहे हैं वहीं जिन्हें इस सड़क का हाल नहीं पता वह तिराहे से या तो वैकल्पिक मार्ग अपना रहे हैं या फिर यू-टर्न। शहर के लिए सरदर्द बनी इस सड़क और अफसरों की लापरवाही के चक्कर में पड़ाव रोड पर जाम की स्थिति बनी हुई है। नगर निगम बाढ़ जल निकास का प्रोजेक्ट बीती 26 दिसंबर से चल रहा है। इसके चलते अभी आगे भी सड़क को खोदकर पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इसमें जिस स्तर का गैर जिम्मेदाराना रवैया अफसर अपना रहे हैं, उससे इस सड़क से हाल फिलहाल में यातायात चलने की संभावना दिख भी नहीं रही है।

स्ट्रीट फूड हब 'प्रसादम' और 'अवंतिका हाट बाजार' का उद्घाटन आज

सिटी चीफ भोपाल।
उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव आ महाकालेश्वर मंदिर के नवविस्तारित क्षेत्र महाकाल महालोक में बनाए देश के सर्वश्रेष्ठ स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब 'प्रसादम' और 'अवंतिका हाट बाजार' का करेंगे। यह उद्घाटन कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मंडाविया भी शामिल होंगे। इसके साथ ही 218 करोड़ रुपये के 187 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया जाएगा।50 फूड स्टाल खुलेंगे बता दें कि प्रसादम में विभिन्न व्यंजनों की उपलब्धता के लिए लगभग 50 फूड स्टाल खोले जाएंगे, इसके लिए जल्द ही दुकान आवंटित होगी। यहां बेहद स्वच्छ वातावरण में लोग मालवा के प्रसिद्ध दाल-बाफले-लड्डू, पोहा-जलेबी सहित अन्य स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ भी उठा सकेंगे। यहां खाद्य पदार्थों की जांच के लिए भी स्टाल रहेगा। क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त रखा जाएगा। लांच होगी स्ट्रीट फूड की वेबसाइट उद्घाटन समारोह में हेल्दी एंड हाइजेनिक फूड स्ट्रीट की वेबसाइट भी लांच की जाएगी। सांस्कृतिक नृत्य और अन्य कार्यक्रम भी किए जाएंगे। जैविक उत्पादों के स्टाल लगाए जाएंगे। खाद्य सुरक्षा विभाग मोटे अनाज के सेवन को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाल लगाएगा, जहां कई स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे।

जिले की सीमा पर चार वर्ष से चल रहा था अवैध बालगृह

सिटी चीफ भोपाल।
जिले की सीमा परवलिया सड़क थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत राताताल खजूरी और चंदूखेड़ी के बीच अवैध बालगृह करीब पांच वर्ष से संचालित किया जा रहा था लेकिन जिसकी भनक तक स्थानीय थाना पुलिस, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत और प्रशासन को नहीं लगी। जब इसकी सूचना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को हुई तो टीम ने निरीक्षण किया। इसके बाद टीम ने परवलिया थाना पुलिस को शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हस्तक्षेप किया तो पुलिस ने आनन-फानन में एफआइआर दर्ज कर ली। अवैध बालगृह संचालन का पता चलते ही शनिवार को पुलिस -प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी हरकत में आ गए और संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने छात्रावास का निरीक्षण किया है। इसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई भी की गई है। बालगृह में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं राज्य बाल आयोग की सदस्य डा. निवेदिता शर्मा ने बताया आंचल बालगृह बिना अनुमति संचालित किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान यहां पर सीसीटीवी नजर नहीं आया। यह बालगृह करीब पांच साल से संचालित हो रहा है। यहां पांच साल से भी कम उम्र की बच्चियां भी रहती मिलीं जो अपना नाम तक नहीं बता पा रही हैं। इन बच्चों को चाइल्ड इन शहर के स्टेशन, बस स्टैंड आदि से रेस्क्यू कर बिना बाल कल्याण समिति में

में प्रस्तुत किए बालगृह में रखा गया था। यह बालगृह पूर्व में रेलवे चाइल्ड लाइन चलाने वाली संस्था संचालित कर रही है। वहीं सीडब्ल्यूसी के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को बच्चियों को पेश किया गया और सभी को शासकीय बालिका गृह में रखवा दिया गया है। जब बच्चों के बयान दर्ज हो जाएंगे तब परिवार को सौंप दिया जाएगा। विदेशी फंडिग को लेकर की जाएगी जांच अवैध बालिका छात्रावास जिस जगह पर संचालित किया जा रहा है वह किसकी भूमि हैं और भवन अनुज्ञा शाखा से अनुमति ली है या नहीं। इस संबंध में जांच के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।साथ ही यह भी जांच कराई जा रही है कि छात्रावास को संचालित करने के लिए फंड कहां से उपलब्ध कराया जा रहा था। विदेशी फंड तो नहीं दिया जा रहा था। इन सभी बिंदुओं पर पुलिस - प्रशासन की टीम जांच कर रही है।

इनका कहना है परवलिया में अवैध बालिका छात्रावास संचालित किया जा रहा था। जहां पर 41 बच्चियां मिली है जिनको पंजीकृत बालगृह में रखवाया गया है। जबकि अन्य 26 बच्चियां उनके स्वजनों के पास है। यहां बच्चियों को बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जगह से रेस्क्यू कर लाया गया था।मामले में विदेशी फंडिंग, भवन अनुज्ञा अनुमति सहित अन्य विषयों पर जांच कराई जा रही है।

संपादकीय

उम्र और जीवन जीने का कोई रिश्ता नहीं, बेकार है आंकड़ों में पड़ना

हम सभी की उम्र का एक आंकड़ा होता है, जिसे हम अपने हर जन्मदिन पर याद करते हैं। लेकिन कुछ 50, 60 या 70 साल के लोग अपेक्षाकृत ज्यादा युवा दिखते और खुद महसूस भी करते हैं, जबकि इसी आयु-वर्ग के कुछ दूसरे लोग बढ़ती उम्र का रोना रोते रहते हैं। कुछ बायोमार्कर होते हैं, जैसे, त्वचा की सेहत, रक्तचाप, फेफड़ों की क्षमता इत्यादि जिनके आधार पर वैज्ञानिक इस फर्क को माप सकते हैं। स्वस्थ जीवनशैली और भाग्यशाली आनुवंशिक विरासत वाले लोग इन आकलनों में युवा पाए जाते हैं। लेकिन लोगों की बायोलॉजिकल उम्र जानने का एक तरीका सब्जेक्टिव उम्र पर आधारित भी होता है। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एंटोनियो टेरासियानो के अनुसार, जब वैज्ञानिक पूछते हैं, %आप दिन के ज्यादातर वक्त खुद को कितनी उम्र का महसूस करते हैं? तब लोग इस सवाल का जो जवाब देते हैं, वह उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को दर्शाता है।% जो लोग खुद को अपनी उम्र से कम का महसूस करते हैं, वे अमूमन उन लोगों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ होते हैं, जो खुद को ज्यादा उम्र का महसूस करते हैं। 2018 में दक्षिण कोरिया में हुए एक अनुसंधान में 68 स्वस्थ बुजुर्गों के दिमाग की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि जो लोग खुद को युवा महसूस करते हैं, उनमें वृद्धावस्था के लक्षण कम ही दिखे। सवाल उठता है कि क्या युवा महसूस करना लोगों को स्वस्थ बनाता है, या फिर जो लोग पहले से स्वस्थ हैं, वे युवा महसूस करते हैं। एजिंग एंड मेंटल हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक चीनी अध्ययन में पाया गया कि लोगों ने याददाश्त संबंधी कार्य में बेहतर प्रदर्शन किया, जब उन्हें बताया गया कि वे अपनी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में अधिक तेज हैं। लीपजिग यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर वीज़ के अनुसार जिन संस्कृतियों में बुढ़ापे को नकारात्मक नहीं समझा जाता, वहां के लिए सब्जेक्टिव उम्र के विचार से वाकिफ नहीं होते। उनके एक शोध के दौरान बुजुर्ग व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं 80 साल का हूं, लेकिन आपका क्या मतलब है कि मैं खुद को कितनी उम्र का महसूस करता हूं? वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी की डॉ ट्रेसी गेंड्रोन के अनुसार जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हम अधिक खुश और संतुष्ट होने लगते हैं। सब्जेक्टिव उम्र के विचार के मुताबिक एक साठ साल का व्यक्ति खुद को 45 साल का महसूस कर सकता है। लोग लगातार परिपक्व होते हैं और कोई व्यक्ति जो 45 साल में होता है, वह 60 साल में नहीं हो सकता। यह सवाल दरअसल अनैतिक है। उम्र बढ़ना कोई नकारात्मक चीज नहीं। जो लोग जिंदगी का आनंद उठाना जानते हैं, वे हर उम्र में शांति से रह सकते हैं। और जो जिंदगी जीना नहीं जानते, वे बेशक 70 के हों और 40 का महसूस करते हों, संतुष्ट फिर भी नहीं हो सकते।%

राजनीतिक सरगर्मियों और आम बजट की चर्चा के बीच लॉयड जॉर्ज और चर्चिल की बात

इस साल बजट नहीं आएगा। मगर सरकार का हिसाब-किताब तो संसद में पेश होगा ही। लोकतंत्र में बजट सरकार का सबसे कीमती दस्तावेज तो होता है, लेकिन पश्चिम की दुनिया की इसकी सार्वजनिक छवि जरा ऐसी-वैसी ही है। बजटों को लेकर इतनी हिकारत इसिलए है कि इसके जरिये सरकारें चर-अचर चराचर अखिल विश्व में जो जहां है, उस पर टैक्स लगाती हैं और टैक्सों को भला कौन पसंद करेगा? बजट की प्रक्रिया इस बहस को साथ लेकर जन्मी थी कि आम बजट आम लोगों के लिए क्या ही होता है, बजट और इसके एलान तो खास लोगों के लिए होते हैं, तभी तो बजट याद नहीं रखे जाते थे। मगर आइए, उड़ान भरिए टाइम मशीन में हम आपको मिलवाएं एक ऐसे बजट से, जिसने बजटों की रवायत ही बदल दी। इसके बाद ही बजटों को कसौटी मिली, जिसकी रोशनी में इनके आम बजट होने की पैमाइश की जा सकती है। इस बार टाइम मशीन आपको एक तूफान के बीच ले जाएगी। ठहिरए, यह मौसमी तूफान नहीं है। यह ब्रिटेन की राजनीति का तूफान है, जो एक बजट से पैदा हुआ था। इसके बाद तो बर्तानवी संसद का काम करने का तरीका ही बदल गया। यात्रीगण कृपया ध्यान दें, आप टाइम मशीन में है और वक्त है बीसवीं सदी की शुरुआत का। आप दुनिया का इतिहास बदलने वाली सदी के पहले वर्ष में हैं यानी साल 1900 में। जरा गौर से देखिए, ब्रिटेन की सियासत में कंजर्वेटिव और लिबरल पार्टी के बीच आपको एक नए दल की आहट सुनाई देगी। ट्रेड यूनियन और समाजवादी आंदोलनों की पृष्ठभूमि से ब्रिटेन में लेबर पार्टी का उदय होने लगा। इसी दौर में आपको ब्रिटेन की महिला अधिकारों की आवाजें सुनाई देंगी। यह 1901 का साल है, जब रानी विक्टोरिया परलोक सिधार गईं हैं। किंग एडवर्ड सप्तम तख्तनशीं हैं। इसी दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बने हरबर्ट हेनरी एक्विथ यानी एच एच एक्विथ। ब्रिटेन के लोग उन्हें प्यार से 'एच एच' या 'डबल एच' कहते थे। एक्विथ लिबरल पार्टी के नेता थे। एच एच के पिता यार्कशॉयर में कपड़े का कारखाना चलाते थे। वाकपटु और बौद्धिक क्षमता से संपन्न एक्विथ तेजी से राजनीति की सीढ़ियां चढ़े। ब्रिटेन के गृह मंत्री रहे और जिस वक्त आप ब्रिटेन में हैं यानी 1905 में तब एक्विथ देश के वित्त मंत्री थे। एक्विथ एक नए तरह की बजट परिपाटी लेकर आए। उन्होंने ब्रिटेन के ताकतवर अमीरों पर नया टैक्स लगा दिया। हाउस ऑफ लॉर्डस यानी ब्रिटेन का उच्च सदन

खफा हो गया। 1908 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री हेनरी कैंपबेल बैनरमैन ने इस्तीफा दे दिया। अब एच एच एक्विथ ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री थे। डेविड लॉयड जॉर्ज उनके वजीरे खजाना यानी वित्त मंत्री बने। लॉयड जॉर्ज को उनके चाचा ने पाला था, जो जूते सिलने का काम करते थे। वाकपटुता और बहस के लिए विख्यात जॉर्ज जब संसद में बोलते थे, तो उनके सामने कोई टिकता नहीं था। जॉर्ज बड़े दबंग थे और प्रधानमंत्री एक्विथ के लिए चुनौती भी। प्रधानमंत्री एच एच ने उनकी लोकप्रियता और क्षमताएं देखते हुए उन्हें वित्त मंत्री बनाया था। लॉयड जॉर्ज के वित्त मंत्री बनते ही ब्रिटेन के वित्तीय इतिहास का सबसे रोमांचक दौर शुरू होता है, जिसने पूरी दुनिया के बजटों को नई राह दिखा दी। डेविड लॉयड जॉर्ज मानते थे कि ब्रिटेन में गरीबों की फिक्र करने वाले आर्थक कानून नहीं है। खासतौर पर बुजुर्ग लोग जो काम करने लायक नहीं रहते, उनके लिए कोई मदद ही नहीं है। लॉयड जॉर्ज, जर्मनी के पहले चांसलर और जर्मन राज्य के इतिहास पुरुष ओटो फॉन बिस्मार्क से प्रभावित थे। 19वीं सदी के प्रारंभ में जर्मन राज्यों को एक करने वाले महान नेता बिस्मार्क को कल्याणकारी राज्य के प्रणेताओं में माना जाता है। बुजुर्गों की पेंशन का पहला प्रयोग बिस्मार्क ने ही किया था। 1908 में एच एच ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। 1909 में डेविड लॉयड जॉर्ज पहला बजट लेकर आए। इसमें ओल्ड एज पेंशन कानून का प्रस्ताव था, जिसके तहत 70 साल से ऊपर की उम्र के लोगों को पांच शिलिंग प्रति सप्ताह की पेंशन दी जानी थी। ब्रिटेन के लिए यह क्रांतिकारी व्यवस्था थी। वित्त मंत्री डेविड लॉयड ने ब्रिटेन के इनकम टैक्स की व्यवस्था बदल दी। वित्त मंत्री लॉयड ने 5,000 पाउंड सालाना से अधिक आय वालों पर एक सुपर टैक्स लगाने का ऐलान किया। 3,000 पाउंड से ऊपर की आय वालों पर भी टैक्स बढ़ाया गया था। उनके बजट ने विरासत पर लगने वाले टैक्स की दर बढ़ा थी, इस टैक्स को डेथ ड्यूटी कहा जाता था। उन्होंने अमीरों पर वेल्थ टैक्स और कैपिटल गेंस की मिली-जुली व्यवस्था शुरू की, जिसमें संपत्तियों की मिल्कियत और बिक्री से कमाई पर मोटा टैक्स लगाया गया। इन फैसलों ने डेविड लॉयड जॉर्ज के बजट को दुनिया का पहला पीपुल्स बजट बना दिया। यानी वास्तविक आम बजट। टाइम मशीन में आपको अहसास होगा कि प्रधानमंत्री एचएच और वित्त मंत्री लॉयड जॉर्ज के इस बजट से कैसा तहलका मच गया। डेविड लॉयर्ड जॉर्ज को विंस्टन चर्चिल का समर्थन भी हासिल था। चर्चिल ने बजट लीग नाम से एक प्रेशर ग्रुप बनाया था, जिसने डेविड लॉयड जॉर्ज के प्रस्तावों का प्रचार और समर्थन किया। लॉयड जॉर्ज और चर्चिल की जोड़ी ब्रिटेन की राजनीति में बड़े बदलावों के लिए याद की जाती है। कहते हैं कि दोनों की कोशिश थी कि ब्रिटेन को किसी तरह साम्यवाद या कम्युनिज्म से बचाया जा सके। इसके लिए आम लोगों को ज्यादा सुविधा देना जरूरी था। डेविड लॉयड जॉर्ज का बजट ब्रिटेन के संसद के ऊपरी सदन को पसंद नहीं आया। हाउस ऑफ लॉर्डस में इसका विरोध शुरू हो गया। बजट पास नहीं हो पाया। वहां कंजर्वेटिव पार्टी का दबदबा था। वे अमीरों पर टैक्स बढ़ाने के खिलाफ थे। प्रधानमंत्री एच एच ने सहमति की कोशिश की, मगर बात नहीं बनी। इधर वित्त मंत्री डेविड लॉयड जॉर्ज अपनी सभाओं में हाउस ऑफ लार्डस के खिलाफ आग उगल रहे थे। उनका कहना था कि ब्रिटेन के अमीर बुजुर्ग गरीबों से घृणा करते हैं। प्रधानमंत्री एच एच ने सम्राट एडवर्ड से दखल का अनुरोध किया। अंतत- 30 नवंबर, 1909 को हाउस ऑफ लॉर्डस ने बजट और वित्त विधेयक को नकार दिया। प्रधानमंत्री एक्विथ की सरकार गिर गई। नए आम चुनाव हुए। जनवरी 1910 में एक्विथ फिर सत्ता में लौटे। मगर सरकार बनाने के लिए उन्हें लेबर पार्टी की मदद लेनी पड़ी। एच एच इस बार तैयारी से आए थे। उन्होंने हाउस आफ लार्डस के अधिकार सीमित करने का विधेयक पेश कर दिया। इस कानून के तहत प्रस्ताव किया गया कि अगर निचले सदन यानी हाउस आफ कामंस ने किसी कानून को तीन बार पारित किया है, तो फिर ऊपरी सदन यानी लॉर्डस इसे नहीं रोक सकता। बस फिर क्या था, ब्रिटेन की राजनीति में तूफान उठ खड़ा हुआ। एक तरफ था पीपुल्स बजट, तो दूसरी तरफ उसे रोने वाले सामंतों का अपर हाउस यानी संसद का हाउस ऑफ लॉर्डस। इस बीच सम्राट एडवर्ड का निधन हो गया। तख्त पर आए जॉर्ज पंचम। पीपुल्स बजट पर विवाद चरम पर था। एक संविधान सम्मित बनी, मगर टंटा दूर नहीं हुआ। बजट फंस गया था। प्रधानमंत्री एक्विथ और वित्त मंत्री डेविड लॉयड टैक्स में बढोत्तरी और पेंशन सुधारों को वापस लेने पर तैयार नहीं थे। गतिरोध इतना बढ़ा कि 1910 के दिसंबर में फिर आम चुनाव हुए। संसद का गणित जस का तस रहा। हाउस ऑफ कॉमंस का राजनीतिक संतुलन नहीं बदला। प्रधानमंत्री एच एच इस बार एक मजबूत राजनीतिक पेशबंदी के साथ आए थे। नए निचले सदन के गठन के साथ उन्होंने न केवल ऊपरी सदन की ताकत सीमित करने का विधेयक पेश किया, बल्कि लेबर पार्टी के साथ मिलकर हाउस ऑफ लॉर्डस की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव भी रख दिया। अब बाजी पलट गई। एक्विथ का ऐतिहासिक कानून 1911 में पारित हुआ। बजट के मामलों में हाउस ऑफ लॉर्डस के अधिकार सीमित हो गए। विश्व के इतिहास का पहला आम बजट हकीकत बन गया था। सरकारों को अमीरों पर टैक्स लगाने का रास्ता मिल गया था। टाइम मशीन वापस 2024 के भारत में लौट आई है, जहां आम बजट के अंतिरम संस्करण की तैयारी चल रही है। आप भी सोच रहे होंगे न कि बजटों को जनोन्मुख बनाने के लिए बीसवीं सदी की शुरुआत में जैसे आंदोलन हुए, क्या आज की राजनीति में फिर ऐसा होना मुमिकन है ?

सफला एकादशी पर कर लें ये उपाय, भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की भी मिलेगी कृपा

शास्त्रों के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को सफला एकादशी कहा गया है। इस बार नए साल 2024 में सफला एकादशी 7 जनवरी,रविवार को है। सफला एकादशी तो अपने नाम के अनुसार ही भक्तों के सभी कार्यों को सफल एवं पूर्ण करने वाली है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को अतिप्रिय है, मान्यता है कि सफला एकादशी के दिन कुछ उपाय करने से घर में खुशियों का आगमन होता है और भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। ग्रंथों में सफला एकादशी एक ऐसे दिन के रूप में वर्णित है जिस दिन व्रत रखने से प्राणी के सारे दु:ख समाप्त होते हैं और भाग्य खुल जाता है। इस एकदशी का व्रत रखने से मनुष्य की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आइए जानते हैं सफला एकादशी के दिन कौन से उपाय साधक के लिए लाभकारी होते हैं।

भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा के लिए

एकादशी के दिन दक्षिणावर्ती शंख में गंगाजल भरकर श्रीहरि विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय से मां लक्ष्मी बहुत प्रसन्न होती हैं और जातक पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी दोनों की कृपा होती है। इस दिन भगवान विष्णु की प्रिय तुलसी की मंजरी तथा पीला चन्दन, रोली, अक्षत, पीले पुष्प, ऋतु फल और धूप-दीप, मिश्री आदि से भगवान दामोदर का भक्ति-भाव से पूजन करना चाहिए।

कुंडली में ग्रहों के शुभ फल के लिए

एकादशी के दिन श्रीविष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना अत्यंत फलदायी होता है, इससे भाग्य चमकता है और कुंडली के ग्रहों के शुभ फल प्राप्त होने लगते हैं। रात्रि के समय भगवान नारायण की प्रसन्नता के लिए नृत्य, भजन-कीर्तन और स्तुति के द्वारा जागरण करना चाहिए। जागरण करने वाले को जिस फल की प्राप्ति होती है, वह हजारों वर्ष तपस्या करने से भी नहीं मिलता।

ऐश्वर्य, धन और सुख प्राप्ति के लिए

एकादशी के दिन श्रीसूक्त का पाठ करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और कभी भी धन की कमी नहीं होती। जीवन में सुख-चैन के लिए इस दिन बांसुरी को श्री कृष्ण जी के मंदिर में अच्छी तरह से सजाकर उसे अर्पित करना चाहिए।

पुण्यों में वृद्धि के लिए

एकादशी के दिन सूर्योदय से पूर्व नहाने के जल में आंवले के रस को डालकर स्नान करने से बहुत पुण्य मिलता है, पाप नष्ट होते हैं। एकादशी के दिन दान का बहुत महत्व है। प्रत्येक एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले वस्त्र, पीले फल, पीले अनाज, पीली मिठाई अर्पित करें, इसके बाद इन सभी चीजों को योग्य ब्राह्मणों / गरीबों को दान करना चाहिए। इस उपाय से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है, कार्यों में मनोवांछित सफलता प्राप्त होती है।

पितरों की कृपा पाने के लिए

एकादशी के दिन स्नान कर मंदिर जाकर या घर में ही भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण की तस्वीर या प्रतिमा के सामने गीता का पाठ करें, इससे पितरों को प्रसन्नता मिलती है। उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और पुण्य का संचय होता है।

राजनीतिक दलों के एजेंडे में आता लोकसभा चुनाव

जनवरी माह से देशभर में धार्मिक और राजनीतिक माहौल सरगर्म रहने की संभावना है, क्योंकि अब लोकसभा चुनाव के लिए लगभग तीन माह का समय ही बचा है। अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जोकि 15 राज्यों और 110 संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, उसकी धमक जोरशोर से महसूस की जायेगी। राम मंदिर के धार्मिक आयोजन के बाद भाजपा भी पूरी ताकत के साथ अपने पक्ष में लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक माहौल बनाने में भिड़ जायेगी तो वहीं विपक्षी दलों का इंडिया एलायंस भी अपनी गतिविधियां तेज कर देगा। इस प्रकार यह माह राजनीतिक गतिविधियों से पूरी तरह से भरा रहेगा। इंडिया गठबंधन के नेताओं पर ईडी की तलवार लटकी रहेगी और उनमें से कौन-कौन जेल जाता है यह देखने वाली बात होगी, लेकिन यह तो कहा ही जा सकता है कि पूरी तरह से राजनीतिक माहौल गरमाता जायेगा। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले 10 लाख नव-मतदाताओं को भाजपा से जोड़ने के अभियान में भारतीय जनता युवा मोर्चा मैदान में उतर चुका है और उसने अभियान छेड़ दिया है तथा वह विकसित भारत संकल्प यात्राओं में युवाओं को ब्रांड एम्बेसडर बना रहा है। दक्षिण भारत में कर्नाटक और तेलंगाना का चुनाव जीतने के बाद अब कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव के पहले राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आरंभ करने जा रही है। वहीं कांग्रेस के बढ़ते जनाधार को लेकर कांग्रेस से इतर राजनीति करने वाले दलों ने नये सिरे से अपनी गोटियां बिठाना प्रारंभ कर दिया है। तेलंगाना और आंध्र की राजनीति में नये समीकरण बन रहे हैं। कर्नाटक में जनता दल सेक्यूलर के नेता एच. डी. देवेगौड़ा और भारतीय जनता पार्टी नजदीक आ रहे हैं। तेलंगाना व आंध्र की राजनीति में अब केसीआर और आंध्र के मुख्यमंत्री जगन मोहन भी मेल-मुलाकात कर रहे हैं, उनकी इस मुलाकात को एक सियासी समीकरण के रुप में देखा जा रहा है। आंध्र में शर्मिला की सक्रियता वायएसआर कांग्रेस के लिए कुछ हद तक नुकसानदायक हो सकती है, क्योंकि शर्मिला जगन मोहन की बहन हैं और वह उनके वोट बैंक में कुछ न कुछ सेंध लगायेंगी। जगन इस चुनौती से निपटने के लिए कांग्रेस के हाथों अपनी एक दशक की सत्ता गंवा बैठे के.चंद्रशेखर राव से अपने रिश्ते सुधार रहे हैं। इस प्रकार इन दोनों राज्यों में नये समीकरण बनते दिखाई पड़ रहे हैं जबकि तामिलनाडु और केरल में पुराने समीकरण ही यथावत हैं, केवल तामिलनाडु में जयललिता की पार्टी एडीएमके की भाजपा से दूरियां बन गयी हैं और वह फिलहाल अपनी अलग राजनीतिक राह खोजने की जुगत में है। दक्षिण भारत की राजनीति में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का वर्चस्व हो गया है और इसी वर्चस्व के सहारे वह लोकसभा में भी अच्छे परिणाम लाने की उम्मीद कर रही है। उसे उम्मीद है कि कर्नाटक और तेलंगाना में उसे सफलता मिलेगी जबकि आंध्र में भी वह अपने लिए कुछ और नई जमीन तलाश सकेगी। राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा राहुल गांधी की लोकसभा चुनाव से पहले भारत जोड़ो न्याय यात्रा जनवरी के मध्य से प्रारंभ होगी और इसमें उसका प्रयास होगा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से उसका कोई टकराव न हो तथा उनका भी प्रत्यक्ष व परोक्ष समर्थन उसे मिले। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के सभी नेताओं से मतभेद भुलाकर लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने के लिए कह दिया है। मणिपुर से प्रारंभ होकर यह यात्रा कहीं पैदल तो कहीं वाहनों के द्वारा पूरी होगी और 66 दिन में 6713 किमी की यह यात्रा मणिपुर से प्रारंभ होकर महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई तक जायेगी। उत्तरप्रदेश में जमीन पर कांग्रेस संगठन बिखरा हुआ है और उसकी हालत कोई खास प्रभावी नहीं है, यही कारण है कि यात्रा में सबसे अधिक समय व दूरी उत्तरप्रदेश में ही तय की जायेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के अनुसार यात्रा में इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को भी आमंत्रित किया जायेगा। जयराम रमेश के अनुसार यह यात्रा राजनीति के लिए उतनी ही परिवर्तनकारी साबित होगी जितनी कन्याकुमारी से काश्मीर तक पहली भारत जोड़ो यात्रा हुई थी। यह यात्रा उत्तरप्रदेश में 1074, मध्यप्रदेश में 698, राजस्थान में 128, गुजरात में 445, प. बंगाल में 523, बिहार में 425, झारखंड में 804, उड़ीसा में 341, छत्तीसगढ़ में 536, मेघालय में 5, अरुणाचल में 55, असम में 833, नागालैंड में 257, मणिपुर में 107 और महाराष्ट्र में 480 किमी की दूरी तय करेगी तथा 20 मार्च को इसका मुम्बई में समापन होगा। मैदान में उतरा भाजयुमो लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने एक बार फिर नव-मतदाताओं को जोड़ने का अभियान शुरु कर दिया है और इस अभियान के तहत उसका देशभर में एक करोड़ मतदाताओं को जोड़ने का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश में दस लाख नव-मतदाताओं को जोड़ने का लक्ष्य लेकर वह आगे बढ़ रही है। भाजयुमो के प्रदेश के अध्यक्ष वैभव पवार का कहना है कि युवा मोर्चा नव-मतदाताओं को लेकर अभियान चला रहा है, हम हर विधानसभा के हर बूथ पर जाकर नव-मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। प्रदेश में हमारा लक्ष्य कम से कम 10 लाख नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का है। विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले सम्मेलन में 18 से 21 साल के युवा सबसे ज्यादा जुड़ें इसके लिए विशेष प्रयास किए जायेंगे। भाजपा का फ्रंटल आर्गनाइजेशन भाजयुमो नव-मतदाताओं को जोड़ने के अभियान की अगुवाई कर रहा है, इस अभियान के तहत गांवों से लेकर शहरों तक विभिन्न आयोजन कर युवाओं को जोड़ा जा रहा है। 24 जनवरी को प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में नव-मतदाता सम्मेलन आयोजित होंगे और 18 से 21 साल के युवाओं के लिए दो-दो शहरों को चिह्नित कर लिया गया है। इस तरह 230 विधानसभा क्षेत्रों में 460 स्थानों पर सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। यह सम्मेलन एक साथ एक ही समय पर आयोजित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन सम्मेलनों को वर्चुअली सम्बोधित करेंगे। विधानसभा स्तर पर होने वाले इन सम्मेलनों में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर पार्टी के आला पदाधिकारी, मंत्री व विधायक सभी शामिल होंगे। और यह भी हाल ही मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन वह फिर से लोकसभा चुनाव में दमखम से उतरने की तैयारी कर रही है ताकि उसका जो जनाधार खिसक रहा है उसे बढ़ाया जाए। मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा क्षेत्रों को बसपा ने तीन जोनों में बांट दिया है जिसके तहत अब वहां पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। ग्वालियर व मध्यक्षेत्र में मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, राजगढ़, बैतूल और होशंगाबाद संसदीय क्षेत्रों को रखा गया है। रीवा-जबलपुर जोन में खजुराहो, सतना, रीवा, सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा तथा मालवा-निमाड़ और मध्य क्षेत्र-2 में इंदौर, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, खरगोन, खंडवा, भोपाल व विदिशा को शामिल किया गया है।

मुझे मजा आता है जब मनोज बाजपेयी गायब हो जाए, मैं किरदार का इंतजार नहीं करता

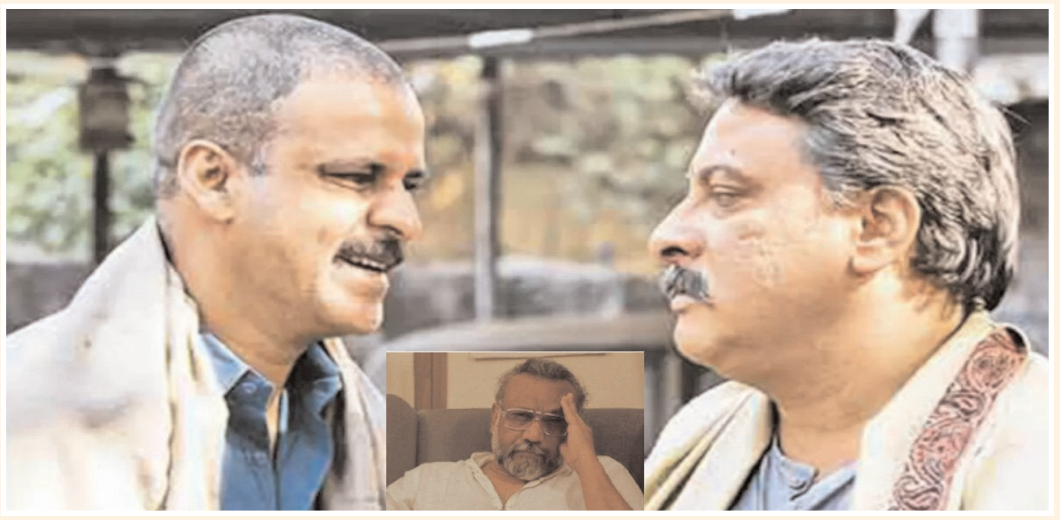

ओटीटी के आने के बाद से जिस एक सितारे के अभिनय के नए नए आयाम हिंदी फिल्म दर्शकों को देखने को मिले हैं, वह हैं मनोज बाजपेयी। बीते साल मनोज ने 'गुलमोहर', 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और 'जोरम' में अपने अभिनय के विविध आयाम दिखाए। इन किरदारों के लिए उन्हें इनाम भी खूब मिले। अब नए साल की अपनी पहली वेब सीरीज 'किलर सूप' में बिल्कुल अलहदा अवतार में दिखने को तैयार मनोज बाजपेयी से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल की एक खास बातचीत।मेरा मानना है कि अभिनय या कोई दूसरी कला आसान नहीं है। मैं किरदार का इंतजार नहीं करता हूं कि वह मेरे पास आए मैं किरदार के पास जाना पसंद करता हूं। मेरा तरीका थोड़ा अलग है। मेरा ये प्रयास रहता है कि मैं जब अपने आप को देखूं तो मैं वह किरदार ही लगूं। मुझे मजा आता है इसमें। मुझे मजा आता है जब मनोज बाजपेयी गायब हो जाए।क्या करें, ये तो एक अभिनेता होने का श्राप है। 'गली गुलियां' के बारे में तो अब सबको पता ही है लेकिन उससे पहले मुझे किसी किरदार को करने के बाद अगर मानसिक समस्या हुई थी तो वह हुई थी फिल्म 'शूल' के बाद। मुझे नींद नहीं आती थी। जैसे ही सोने जाता था, मुझे अजीब अजीब से ख्याल आते थे। बहुत ही हिंसक विचार आने शुरू हो जाते थे। मेरी तबियत खराब रहने लगी थी। अब सोचता हूं तो लगता है कि ऐसा भी क्या था, कि मैंने क्यूं ऐसा किया..बहुत जरूरी है। खासतौर से अगर आपकी मातृभाषा वह नहीं है जिसमें आप अभिनय कर रहे हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप उस किरदार को अपने सिस्टम का हिस्सा बना लो। आप उसकी शख्सीयत को ओढ़ लो। मैं बहुत सारे ऐसे कलाकारों के साथ काम करता हूं जिनकी मुख्यभाषा हिंदी नहीं है। उनको मैं कोंकणा सेन शर्मा का उदाहरण देता हूं, संवादों की रिहर्सल में समय लगाने का, मेहनत करने का।

बात चूंकि नेटफ्लिक्स की सीरीज 'किलर सूप' के सिलसिले में हो रही है तो खाने के मामले में आप कितने शौकीन है, आपकी फिटनेस देखकर तो लगता नहीं कि आपको ऐसा कोई शौक होगा?

अरे, मैं बहुत शौकीन हूं खाने का। मुझे खाना खाने का शौक हमेशा से रहा है। बिहारी आदमी हूं। बिहारियों को अमूमन खाना बहुत अच्छा लगता है। सुबह का नाश्ता कर रहे होते हैं तो दोपहर के भोजन में क्या बनेगा, इस पर चर्चा हो रही होती है..! लेकिन, बनाने का शौक मुझे बहुत नया हुआ है। अभी पांच साल पहले से मैंने खाना बनाना शुरू किया है। मैंने अपने पिता की मटन बनाने की रेसिपी बनाई है। यखनी पुलाव बनाया। भुना गोश्त बनाया और शाकाहारी लोगों के लिए मैंने आलू परवल और आलू गोभी भी बनाई। मछली भी बनाता हूं, सरसों वाली। बिहार और बंगाल की खाने और भाषा की संस्कृति भी बहुत करीब की है।

लंबे संघर्ष के बाद मुंबई के किसी पंचसितारा होटल में जब जाने का मौका मिला होगा तो उस दिन का अनुभव याद है?

पहले के दिनों में फाइव स्टोर होटलों में एक खास कदकाठी के गेटकीपर होते थे। लंबी लंबी मूंछे, रौबदार चेहरा औरज़ हम तो थियेटर कर रहे होते थे। स्ट्रगलर कहलाते थे। जेब में पैसे होते नहीं थे। मुझे हमेशा उस मूंछ वाले से डर लगता था कि इसको पता चल जाएगा, इसके पास पैसे नहीं हैं और ये मुझे नहीं जाने देगा अंदर। जब भी कोई ऑडिशन किसी होटल में हो रहा होता था या ऐसे किसी होटल के किसी कमरे में हो रहा होता था, तो मैं बहुत डर जाता था कि पता नहीं अंदर तक पहुंच पाऊंगा भी कि नहीं।नए निर्देशकों के साथ आप खुद को कितना सहज महसूस करते हैं और आपके घर के दरवाजे क्या ऐसे सभी निर्देशकों के लिए खुले हैं जो आपके साथ पहली फिल्म बनाना चाहते हैं..

बिल्कुल खुले रहते हैं। 'गुलमोहर' के निर्देशक राहुल चिटेला को मैं तब से जानता हूं जब वह मीरा (नायर) के साथ थे। मैंने खुद उनको कहा था कि अपनी पहली फिल्म तुम मेरे साथ ही करना। वैसे ही अपूर्व सिंह कार्की की एक सीरीज मैंने यूट्यूब पर देखी थी। मुझे तभी उनकी काबिलियत समझ आ गई। इसके बाद जैसे ही मेरे पास 'सिर्फ एक बंदा है' की कहानी आई और उन्होंने कहा कि निर्देशक मेरी पसंद का हो सकता है तो मैंने तुरंत अपूर्व को फोन लगाया और पूछा कि भाई, फिल्म करोगे मेरे साथ? नए निर्देशकों के साथ सबसे अच्छी खासियत ये होती है कि वे ये भूल जाते हैं कि मैं तीन दशकों से काम कर रहा हूं, वह मुझसे अभिनय में वैसी ही प्रतिक्रिया चाहते हैं, जैसी उनके मन में आ रही होती है।

इमरजेंसी स्टार कंगना के लिए क्या आसान होंगी राहें? मानहानि वाले केस में रोक लगाने की मांग

अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर कंगना रणौत एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार ये सुर्खियां उनकी आने फिल्म इमरजेंसी को लेकर नहीं बल्कि गीतकार जावेद अख्तर द्वारा उन पर लगाए मानहानि वाले मुकदमे के लिए है। कंगना ने इस मुकदमे पर रोक लगाने के लिए बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। कंगना रणौत और जावेद अख्तर के बीच इस जंग की शुरुआत 2020 में हुई थी। मीडिया में छपी खबरों की मानें तो एक टीवी इंटरव्यू के दौरान कंगना ने जावेद अख्तर के खिलाफ काफी कुछ बोल दिया था। उस इंटरव्यू कंगना ने 2016 में जावेद अख्तर से हुई अपनी मुलाकात का जिक्र किया था। साथ ही साथ उन्होंने ये भी कहा था कि यह मुलाकात उनके लिए काफी डिस्टर्बिंग था। उस इंटरव्यू के टेलीकास्ट होने के बाद अभिनेत्री पर जावेद अख्तर ने कथित मानहानिकारक टिप्पणियां लगाने के इल्जाम में केस दर्ज करवाया था।

कब होनी होनी है सुनवाई

जब गीतकार जावेद अख्तर ने कंगना पर मानहानि का केस दायर किया, तब पलटवार में अभिनेत्री ने भी जावेद अख्तर पर कई गंभीरआरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया था। बाद में, 24 जुलाई 2024 को अंधेरी के एक कोर्ट ने जावेद अख्तर पर कंगना द्वारा दायर मामले को स्थगित करने का आदेश दे दिया। कंगना ने इस फैसले के खिलाफ एक बार कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की बेंच कंगना रणौत और जावेद अख्तर के इस मानहानि वाले की सुनवाई 9 जनवरी को कर सकती है। कंगना का मानना है, अगर गीतकार जावेद अख्तर वाले मामले को स्थगित कर दिया गया है और सिर्फ सुनवाई कंगना पर लगे आरोपों की होगी, तो यह अन्याय होगा अभिनेत्री के साथ।

कंगना का वर्क फ्रंट

कंगना रणौत इस साल दर्शकों के लिए इमरजेंसी नाम की फिल्म लेकर आ रही हैं। उनकी यह बहुप्रतीक्षित फिल्म इमरजेंसी बनकर तैयार है। इस फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री के लिए यह फिल्म काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी पिछली कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब नहीं रही हैं।

डंकी-सलार ने फिर पकड़ी रफ्तार

एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर की इतनी कमाई

डंकी और सलार बॉक्स ऑफिस पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। पिछले साल के आखिरी महीने रिलीज हुई ये फिल्में 2024 में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। दोनों ही फिल्मों को पूरे देश में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। शाहरुख खान की फिल्म लोग अपने परिवार के साथ देखना पसंद कर रहे हैं। वहीं, सलार युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इन दो फिल्मों के अलावा रणबीर कपूर की एनिमल सिनेमाघरों में अब भी अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। आइए जानते हैं कि शनिवार को किस फिल्म ने कैसा प्रदर्शन किया।शाहरुख खान के लिए साल 2023 बेहद शानदार रहा है। जनवरी में उन्होंने फिल्म पठान से चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसके बाद आई जवान ने भी रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। अब डंकी भी लोगों के दिल जीतने में कामयाब रही है। फिल्म को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है।

पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अभी भी पकड़ बनाए रखने में सफल रही है। पहले हफ्ते में फिल्म ने 160.22 करोड़ का कोराबार किया। वहीं, दूसरे हफ्ते में फिल्म नेअच्छी रफ्तार के साथ 46.25 करोड़ कमाए। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक 17वें दिन फिल्म ने तीन करोड़ 50 लाख का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 212.22 करोड़ हो गई है।

प्रभास की सलार भी टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आए हैं। साउथ के साथ हिंदी दर्शकों से भी फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। डंकी के एक दिन बाद रिलीज हुई सलार ने पहले हफ्ते में सभी भाषाओं को मिलाकर 308 करोड़ का बिजनेस किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 70.1 करोड़ का कारोबार किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 16वें दिन फिल्म ने पांच करोड़ 25 लाख का कलेक्शन किया है। अब फिल्म की कुल कमाई 387 करोड़ हो गई है।संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर घोषित हो चुकी है। पिता-पुत्र के रिश्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई इस फिल्म की कहानी को दर्शक अब भी देखने के लिए थिएटर पहुंच रहे हैं। छठवें शनिवार को फिल्म ने एक करोड़ 85 लाख का कारोबार किया। फिल्म की कुल कमाई अब 549.39 करोड़ हो गई है।

बिग बॉस के घर से निकलते ही अनुराग डोभाल का फूटा गुस्सा, बोले -

मुझे दो दिन तक टॉर्चर किया गया

यूट्यूबर और बिग बॉस के कंटेस्टेंट रह चुके अनुराग डोभाल कुछ समय पहले ही घर से बेघर हुए हैं। बिग बॉस 17 में उन्हें कई बार सलमान खान और बिग बॉस के खिलाफ जाते देखा गया है। घरवालों के साथ-साथ दर्शकों को भी अनुराग का ये बिहेवियर पसंद नहीं आया था। वहीं, बीते दिनों घरवालों की वोटिंग से अनुराग को घर से बेघर कर दिया गया। अब शो से बाहर आने के बाद उन्होंने बिग बॉस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अनुराग ने अपने यूट्यूब चैनल पर शो से बाहर आने के बाद एक व्लॉग शेयर किया है। अनुराग डोभाल ने अुने यूट्यूब चैनल यूके राइडर 07 पर एक वीडियो शेयर कर बिग बॉस को एक्सपोज किया है। उन्होंने कहा है कि शो में उनका सफर खत्म होने के बाद जब वे बाहर आए, तो उन्हें दो दिनों तक अपने परिवार से बात नहीं करने दी गई थी। जिसके कारण वे काफी परेशान हो गए थे। वे कहते दिख रहे हैं कि बिग बॉस ने उन्हें टॉर्चर किया। उन्होंने बताया, बिग बॉस से निकलने के बाद मुझे जिस होटल में रखा गया था, मुझे दो दिन तक मेरे घरवालों से कोई कॉन्टैक्ट नहीं करने दिया गया था। शो खत्म हो गया था, लेकिन उसके बाद भी मुझे लग रहा था कि यार यह मुझे कितना टॉर्चर कर रहे हैं। मैं वैसे ही तीन महीने एक ऐसी जगह बिताकर आया था, जहां मेरा दुनिया से कोई कॉन्टैक्ट नहीं था। बिना मोबाइल के रहना उनके लिए काफी मुश्किल था और उन्हें सुसाइड का ख्याल आ गया था। उन्होंने कहा, मेरे मां बाप से कोई कॉन्टैक्ट नहीं था। इन्होंने दो दिन तक मुझे मेरी फैमिली से दूर रखा। ना ही इन्होंने मुझे मेरे फैमिली से बात करने दी। ना ही मुझे मेरा फोन दिया। मैं जब होटल में दो दिन रहा, तो मुझे सुसाइड का ख्याल आया। मैं सोच रहा था कि मैंने ऐसा क्या ही कर दिया कि मैं अब तक यह सजा भुगत रहा हूं।

सिंगल कॉलम

वडनगर में पीएम मोदी के स्कूल में जाने का मिलेगा अवसर, नौवीं से 12वीं तक के छात्र करेंगे स्टडी टूर

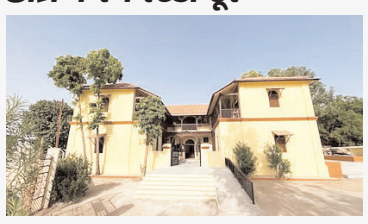

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों में पढ़ने वाले नौवी से बारहवीं तक के छात्रों को गुजरात के वडनगर स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्कूल में स्टडी टूर करेंगे। इसमें पंजीकरण करने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने प्रेरणा- द स्कूल ऑफ एक्सपीरिएंशियल लर्निंग एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। इसमें छात्रों को 13 जनवरी तक पंजीकरण कराना होगा। यह टूर सात दिन का होगा। सीबीएसई स्कूलों से पंजीकृत बच्चे इस बीच टूर पर जाएंगे। सीबीएसई बोर्ड की ओर से जारी परिपत्र के मुताबिक, इस पाठ्यक्रम में छात्रों को नवीनतम तकनीक और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से मूल्यों को अनुभव दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकिया साल भर चलेगी। हर सप्ताह देश के अलग-अलग हिस्सों से 20 छात्र-छात्राओं का एक समूह स्टडी टूर का हिस्सा होगा। इसमें दस छात्र व दस छात्राएं शामिल होंगी। इस दौरान छात्रों को नए विषयों के बारे में बताया जाएगा।यह साल 135 साल पुराना है, जो साल 1888 में शुरू हुआ था। इस स्कूल का नाम पहले 'वडनगर कुमार शाला नंबर 1' था। लेकिन साल 2018 में इसे बंद करके नवीकरण का काम शुरू किया था। इसका निर्माण होने के बाद इसमें आठ कक्षा, एक कैफे, ओरिएंटेशन सेंटर समेत अन्य चीजें बनाई गई हैं। **पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे छात्र** पाठशाला में छात्रों को पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा। इससे उन्हें देश की विरासत को आकार देने वाली विभिन्न राज्यों की जीवंत परंपराओं के विषय में जानकारी मिलेगी। वहीं, वह प्राचीन भारतीय सभ्यता से लेकर विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने और चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के उतरने तक देश के विकास के बारे में भी जान पाएंगे। इस कार्यक्रम में छात्रों को टीम निर्माण के बारे में भी सिखाया जाएगा।

नए साल में कीमती धातुओं में तेजी की उम्मीद चांदी के दाम हुए मजबूत, सोना आंशिक सुधरा

बीते साल का अंत सोने की तेजी के साथ हुआ। साल की शुरुआत में दाम नरम पड़े लेकिन आने वाला पूरा साल सोने-चांदी के दामों में तेजी की उम्मीद पर टिका है। दरअसल, अमेरिकी फेडरल रिजर्व आगे ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इससे कीमती धातुओं को सपोर्ट मिलेगा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में साल के पहले कारोबारी सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार देर रात चांदी वायदा में लेवाली बराबर बनी रहने और सटोरियों की सक्रियता की वजह से तेजी जारी रही। कामेक्स पर चांदी छह सेंट बढ़कर 23.25 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। इसके चलते इंदौर मार्केट में भी चांदी चौरसा 250 रुपये उछलकर 73350 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। चांदी में छोटे निवेशकों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के ज्वेलर्स की मांग अच्छी बनी हुई है, जिससे

मजबूती को सपोर्ट मिल रहा है। इधर, सोने के गहनों में लग्नसरा वालों की पूछपरख धीरे-धीरे बढ़ रही है, जिससे इसके दाम धीमी गति से बढ़ रहे हैं। शनिवार को इंदौर में सोना कैडबरी आंशिक सुधरकर 63175 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। कामेक्स पर सोना 2046 डालर प्रति औंस पर बंद हुआ था। संक्रांति के बाद सोने-चांदी में वैवाहिक मांग भी निकलने लगेगी।कमोडिटी विश्लेषक नृपेंद्र यादव के अनुसार, इस साल ब्याज दरों में कमी से कीमती धातुओं को लाभ होने की उम्मीद है, क्योकि उच्च दरें खरीदने की अवसर लागत को बढ़ा रही थी। इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतें दबाव में रह सकती है। एमसीएक्स फ़रवरी वायदा सोने में सपोर्ट 61000 रुपये पर है और रेजिस्टेंस 64000 रुपये पर है। मार्च वायदा चांदी में सपोर्ट 69000 रुपये पर है तथा रेजिस्टेंस 74000 रुपये पर है। अगले महीने से सोने में अच्छी तेजी देखी जा सकती है। सोना कैडबरी रवा नकद में 63175 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64300 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 58900 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 63125 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 73350 रुपये, चांदी टंच 73500 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 73500 रुपये प्रति किलो बोली गई। शुक्रवार को चांदी 73100 रुपये पर बंद हुई थी।

उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 64000 रुपये तथा सोना रवा 63450 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 72800 रुपये तथा चांदी टंच 72300 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 64400 रुपये तथा सोना रवा 64350 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 73600 रुपये तथा चांदी टंच 73700 रुपये प्रति किलो बोली गई।

मांग के दबाव से तुवर, काबुली चना और मसूर के भाव तेज

वैवाहिक सीजन वालों की काबुली चने में लोकल के साथ ही बाहरी मांग का दबाव धीरे-धीरे बाजार में आना शुरू हो गया है। वहीं आवक का दबाव बेहद कमजोर है, जिससे काबुली चने के दामों में तेजी का वातावरण रहा। काबुली चना 300 रुपये तक उछल गया। व्यापारियों का कहना है कि मौसम खुलने पर निर्यातकों की भी खरीदारी बाजार में आने की संभावना है, जिससे काबुली चने में ज्यादा मंदी नजर नहीं आ रही है। कंटेनर में डालर चना (40/42) 16300, (42/44) 16100, (44/46) 15900, (58/60) 14200, (60/62) 14100, (62/64) 14000 रुपये क्विंटल रह गया।इधर, तुवर दाल में वैवाहिक मांग के अलावा भी उपभोक्ता पूछताछ बाजार में आने से मिलर्स की तुवर में खरीदारी एकाएक बढ़ गई है। वहीं, नीचे दाम होने के कारण तुवर में बिकवाली का प्रेशर कम है, क्योंकि तुवर की आने वाली फसल कमजोर बताई जा रही है। इसके चलते स्टाकिस्टों की भी तुवर में पूछताछ शुरू हो गई है, जिससे तुवर के दामों में एकतरफा तेजी की स्थिति बनी हुई है। शनिवार को तुवर में करीब 300-400 रुपये प्रति क्विंटल की नई तेजी देखने को मिली है। तुवर महाराष्ट्र सफेद बढ़कर 8700-8900, कर्नाटक 9000-9400, निमाड़ी तुवर 8000-8700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। इधर, मसूर की आवक मांग के अनुरूप नहीं होने के कारण इसके दामों में भी तेजी का वातावरण रहा। मसूर नीचे में 5975 तथा ऊपर में 6000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

दलहन के भाव - चना कांटा 5800, विशाल 5650-5700, डंकी 5200-5300, मसूर 5900-5975-6000, तुवर महाराष्ट्र सफेद 8700-8900, कर्नाटक 9000-9400, निमाड़ी तुवर 8000-8700, मूंग 8500-8600, बारिश का मूंग नया 9000-9600, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8200-8700, मीडियम 7000-7700, हल्का उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2500, गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2500, मालवराज 2400-2500, मालवराज बेस्ट 2500-2525, पूर्णा 2600-2925 रुपये क्विंटल।

दालों के भाव - चना दाल 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बेस्ट 7800-7900, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 9900-10000, बेस्ट 10100-10200, मूंग मोगर 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, तुवर दाल 10900-11000, मीडियम 12000-12100, बेस्ट 13100-13200, ए. बेस्ट 14200-14300, पैकिंग में तुवर दाल 14700, उड़द दाल 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, उड़द मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400 रुपये प्रति

किसानों की सोयाबीन में बिकवाली घटी, तेल के दाम सुधरे

इंदौर। देशभर की मंडियों में सोयाबीन की आवक लगातार घटती जा रही है। शनिवार को देशभर में सोयाबीन की आवक घटकर दो लाख पांच हजार बोरी रह गई, जिसमें से मध्यप्रदेश में मात्र 85 हजार बोरी की आवक दर्ज की गई।व्यापारियों का कहना है कि खरीफ 2023 में सोयाबीन की फसल तो अच्छी आई है, लेकिन सोयाबीन की कीमतें काफी नीचे आ गई है। कम दामों पर किसान उपज बेचने को राजी नहीं है। आगे तेजी की उम्मीद में सोयाबीन रोकने लगे हैं। इस वजह से मंडियों में आवक घट रही है। फिलहाल कीमतों में विशेष लंबी तेजी की उम्मीद कम दिखाई दे रही है, क्योंकि चुनावों का दबाव भी बाजारों पर बना हुआ है। विदेशों से बड़ी मात्रा में हो रहे खाद्य तेलों के आयात से प्लांटों की मांग कमजोर है। यही वजह है कि सोयाबीन में लंबी तेजी नजर नहीं आ रही है। इधर, विदेशी बाजार भी ब्राजील में हुई बरसात से पानी-पानी हुए है। बिना घरेलू मांग के कीमतों का बढ़ पाना मुश्किल है। आशंका थी कि ब्राजील में अगर बारिश न हुई तो सोयाबीन की कमजोर फसल उतर सकती है। परन्तु अंतिम क्षण में हुई बारिश से अंतरराष्ट्रीय बाजार कई सालों के निम्न स्तर पर आ गए है जब तक आयात में क्रूड व रिफाइंड पाम तेल का अंतर नहीं बढ़ता तब तक कीमतों में लंबी तेजी की उम्मीद कम नजर आ रही है। मंडी में सोयाबीन 4700-4725, सरसों निमाड़ी 6200-6300, राइडा 4800-4900 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बताए गए।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम का एलान 22 साल का खिलाड़ी करेगा कप्तानी

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने अपने स्क्वॉड का एलान कर दिया है। टीम में चोटिल राशिद खान को भी रखा गया है। हालांकि वह सीरीज में शायद ही खेल पाएंगे। अफगान ने 22 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज इब्राहिम जादरान को कप्तानी सौंपी है। जिन्होंने यूएई के खिलाफ टी20 सीरीज में भी टीम का नेतृत्व किया था। टी20 कप्तान राशिद खान फिलहाल बैक इंजरी से फिट नहीं हुए हैं। टीम में स्पिनर मुजीब उर रहमान की वापसी हुई है। मुजीब बिग बैश लीग को छोड़कर भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे। बैकअप विकेटकीपर के रूप में इकराम अलीखिल को शामिल किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मीरवाइस अशरफ ने कहा कि हमें तीन मैचों की श्रृंखला के लिए भारत दौरे पर आने की खुशी है। टीम इंडिया शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। अफगान का उनके खिलाफ टी20 सीरीज में प्रतिस्पर्धा करते देखना सुखद होगा। हमारा मानना है कि हमारी टीम अब कमजोर नहीं है। हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनात, अजमुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब और राशिद खान।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर श्रृंखला में किया क्लिन स्वीप

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को पाकिस्तान को 8 विकेट से हराते हुए तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अपनी आखिरी पारी में बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 57 रन बनाए। पहली पारी में 14 रन से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन पाकिस्तान को केवल 115 रनों पर ढेर कर दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 130 रनों का लक्ष्य मिला। 130 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और साजिद खान ने पहले ही ओवर में उस्मान ख्वाजा (00) को पवेलियन भेज दिया, तब ऑस्ट्रेलियाई टीम का खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में अपनी आखिरी पारी खेल रहे वॉर्नर ने मार्नस लाबुशेन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की शतकीय साझेदारी की। टीम जब जीत से 11 रन दूर थी, तभी साजिद खान ने वॉर्नर को एलबीडब्ल्यू आउट कर उनकी आखिरी टेस्ट पारी का अंत किया। वॉर्नर ने अपनी आखिरी पारी में 75 गेंदों का सामना किया और 7चौकों की बदौलत 57 रन बनाए। वॉर्नर के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। लाबुशेन 62 और स्मिथ 4 रन बनाकर नाबाद लौटे। पाकिस्तान की तरफ से दोनों विकेट साजिद खान ने लिए।

पाकिस्तान की दूसरी पारी 115 रनों पर सिमटी

दूसरी पारी में पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और केवल 1 रनों के स्कोर पर अब्दुल्ला शफीक (00) और कप्तान शान मसूद चलते बने। शफीक को स्टार्क ने और मसूद को जोश हेजलवुड ने पवेलियन भेजा। इसके बाद सईम अयूब और बाबर आजम ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचया। 58 के कुल स्कोर पर सईम 33 रन बनाकर नाथन ल्योन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इसके तुरंत बाद बाबर आजम भी 60 के कुल स्कोर पर 23 रन बनाकर ट्रेविस हेड का शिकार बने। बाबर के आउट होने के बाद 67 के कुल स्कोर पर सऊद शकील (02), साजिद खान (00) और आगा सलमान (00) को हेजलवुड ने एक ही ओवर में पवेलियन भेज दिया। इसके बाद रिजवान और जमाल ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। हालांकि 109 के स्कोर पर रिजवान (28) को नाथन ल्योन ने और इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने जमाल (18) को पवेलियन भेज पाकिस्तान को दोहरा झटका दिया। 115 के कुल स्कोर पर ल्योन ने हसन अली (05) को बोल्ड कर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। मीर हमजा 1 रन बनाकर नाबाद लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 4, नाथन ल्योन ने 3, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क,और ट्रेविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 299 रनों पर सिमटी

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 299 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्नश लाबुशेन (60) और मिचेल मॉर्श (54) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी (38), स्टीव स्मिथ (38), उस्मान ख्वाजा (47) और डेविड वॉर्नर (34) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। पाकिस्तान के लिए आमेर जमाल ने 6. आगा सलमान ने 2, साजिद खान और मीर हमजा ने 1-1 विकेट लिए।

पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में बनाए 313 रन

इससे पहले मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (88), पुछ्ले बल्लेबाज आमेर जमाल (82) और आगा सलमान (53) के बेहतरीन अर्धशतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 313 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 5, मिचेल स्टार्क ने 2 व जोश हेजलवुड, नाथन ल्योन और मिचेल मॉर्श ने 1-1 विकेट लिया।

क्या दालचीनी से वास्तव में कम होता है ब्लड शुगर लेवल, डायबिटीज रोगी पा सकते हैं लाभ?

ब्लड शुगर का बढ़ा रहना संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, अगर ये लंबे समय तक अनियंत्रित रहे तो इससे तंत्रिका, आंखों लेकर हृदय और पाचन से संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आप भी डायबिटीज के शिकार हैं, तो इसे कंट्रोल में रखने के लिए उपाय किया जाना जरूरी हो जाता है। आहार और लाइफस्टाइल में कुछ प्रकार के बदलाव इस समस्या में लाभकारी हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में सुधार करके शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है। कुछ प्रकार की औषधियों और जड़ी-बूटियों के माध्यम से इसे कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है। दालचीनी ऐसी ही एक औषधि है जिसे डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। क्या यह वास्तव में शुगर को कंट्रोल करती है? आइए इस बारे में जानते हैं।

मधुमेह में लाभकारी है दालचीनी मधुमेह से पीड़ित लोगों में या तो उनका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है या कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं, जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दालचीनी का सेवन इंसुलिन के प्रभाव को कम करके डायबिटीज को कंट्रोल करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। इंसुलिन संवेदनशीलता को सुधारकर रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी इससे लाभ मिल सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला? 80 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 सप्ताह तक रोजाना 1.5 ग्राम दालचीनी पाउडर लेने से फास्टिंग इंसुलिन के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 2 महीने तक दिन में दो बार 250 मिलीग्राम दालचीनी लेने से हाई शुगर वाले 137 लोगों में इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार हुआ। डायबिटीज की जटिलताओं को कम करने के लिए दालचीनी की चाय, अर्क और इसके पाउडर के सेवन को लाभकारी पाया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह सिर्फ घरेलू उपचार हो सकता है, इसके साथ डायबिटीज का विशेषज्ञों से उपचार जरूरी है। डायबिटीज में किसी भी औषधि के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। एक प्रयोगशाला अध्ययन के अनुसार, दालचीनी में सिनामाल्डिहाइड नामक एक आवश्यक तेल पाया जाता है जो आपके फैट सेल्स को लक्षित कर सकता है और उन्हें अधिक मात्रा में कैलोरी बर्न करने में मदद करती है। फैट बढ़ने के कारण ब्लड शुगर की समस्या भी बढ़ने लगती है, दालचीनी का संयमित सेवन करने से इसमें लाभ मिल सकता है।

छात्रवृति के पोर्टल शीघ्र प्रारंभ करे सरकार

धार, अभाविप मालवा प्रांत द्वारा छात्रवृत्ति संबधी विभिन्न समस्याओ पर सरकार का ध्यान आकर्षित कराने हेतु उच्च शिक्षा मंत्री के नाम कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री करण राठौर ने प्रदर्शन के दौरान बताया कि मध्यप्रदेश में विगत 6 माह से छात्रवृति का पोर्टल ठप होने के कारण प्रदेश के डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थी आज छात्रवृत्ति संबधी विभिन्न प्रकार की योजनाएं के लाभ से वंचित हो रहे है। पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति, आवास भत्ता, गाँव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजना का लाभ मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का विद्यार्थी जो छात्रवृत्ति संबधित योजनाओं के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश लेते है अब उन विद्यार्थियों को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थी परिषद के धार जिला संयोजक रोहित रघुवंशी ने भी ज्ञापन के माध्यम से बताया कि संबल, पोस्टमेट्रिक जैसी छात्रवृत्ति योजनाओं के सहारे ही उच्च शिक्षा में विद्यार्थी वर्ग का नामांकन प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ रहा है। ऐसे में 6 माह से छात्रवृत्ति के पोर्टल बंद होना उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही दर्शाता है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बजट व तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए विद्यार्थियों को नकार दिया जाता है, जिस कारण व्यवस्थाओं के प्रति विद्यार्थी समुदाय का वी लंबित छात्रवृत्ति का लाभ भी अति शीघ्र विद्यार्थी को प्रदान करें। ऐसा करने से हजारो गरीब माध्यम वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा पाने अवसर मिल पाएगा। नही तो हम आपके खिलाफ महाविद्यालय परिसरों में आंदोलन करेंगे ।। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे । यह जानकारी सह कार्यालय मंत्री प्रथम तिवारी द्वारा दी गयी ।

राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था के संभागीय मीडिया प्रभारी बनेः ऋषिकेश

सतना, रामपुर बाघेलान- मध्य प्रदेश सतना राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था के संभागीय मीडिया प्रभारी बनाए गए पंडित ऋषिकेश त्रिपाठी जी राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदित्य मिश्रा जी द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय प्रभारी महिला प्रकोष्ठ श्रीमती वंदना द्विवेदी जी पंडित ज्ञानेंद्र पांडे जी राष्ट्रीय महासचिव की अनुशंसा पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पंडित रमेश पांडे जी की सहमति जिला अध्यक्ष पंडित भागवत द्विवेदी जी द्वारा प्रस्तावित पंडित ऋषिकेश त्रिपाठी जी को राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था का संभागीय मीडिया प्रभारी रीवा किया जाता है, और संगठन यह आशा करता है,कि ऋषिकेश त्रिपाठी संभागीय मीडिया प्रभारी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्व को निभाएंगे ऋषिकेश त्रिपाठी ने आभार जताते हुए कहा कि जो मुझे यह दायित्व दिया गया है, मैं बहुत निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्व को निभाऊंगा ऋषिकेश को दायित्व मिलने के बाद शुभकामनाएं प्रेषित करने वालों का कम कुछ इस तरह रहा राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था के सतना जिला अध्यक्ष भागवत द्विवेदी,मनीष शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी नागेंद्र द्विवेदी, मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जी मैहर पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी जी जिला सतना पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी जी जिला सहकारी के पूर्व अध्यक्ष पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा भैया, मध्य प्रदेश राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी जी सतना नवभारत के संपादक आदरणीय विनोद तिवारी जी रामप्रमोद चतुर्वेदी, राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के वरिष्ठ पत्रकार सुधीर सिंह राठौड़,वरिष्ठ पत्रकार सुधाकर त्रिपाठी जी,युवा पत्रकार पं विवेक मिश्रा गोलू, राम प्रमोद पाठक,जगत नारायण त्रिपाठी, उप सरपंच मालगाव राजकुमार गौतम,राजेश शर्मा,अर्पित द्विवेदी,अनुज चौबे, आशीष द्विवेदी,डॉक्टर प्रेमलाल शर्मा, एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था एवं क्षेत्रीय व्यक्तियों ने शुभकामनाएं दी।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की कामकाजी बैठक संपन्न

धार, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा धार की कामकाजी बैठक जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री भगवती प्रसाद शिंदे,भाजपा नेता भागीरथ कुशवाह,मोर्चा जिला अध्यक्ष पुनमचं फकीरा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा मंचासीन रहे। बैठक में सर्व प्रथम भीमराव अंबेडकर जी व पितृ महापुरषों के चित्रों पर माल्यार्पण दीपप्रज्वलित कर विधिवत आरंभ किया। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष फकीरा ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में अजा मोर्चा के सभी पदाधिकारियो की सहभागिता सुनिश्चित हो साथ ही सभी को नमो एप से जोड़ना तथा मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनना। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को समीप मंदिर पंहुचकर सीधा प्रसारण देखना और महा आरती में शामिल होना। मतदाता जागरूकता अभियान निर्वाचन द्वारा चलाया जा रहा जिसमे मोर्चा पदाधिकारी मतदाता सूची में नाम जोड़ने घाटने हेतु सक्रीय होकर कार्य करना। अजा मोर्चा के प्रत्येक पदाधिकारी विकसित भारत एम्बेसडर बनना है एवं कम से कम 10 सामान्य जनों को एम्बेसडर बनाकर नमो एप अपलोड करना। इस दौरान बैठक में मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश चौहान,मोर्चा पदाधिकारी सीताराम यादव,अनिल कुवाले, भवानी मंडलोई,कृष्णा बघोले, हेमंत सौलंकी, अमन फकीरा घनश्याम सौलंकी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माध्यमिक शाला कोट में शिक्षक हाकम सिंह का विदाई समारोह आयोजित, क्षेत्रीय विधायक राजेश वर्मा रहे मौजूद

पन्ना, अमानगंज तहसील अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोट में माध्यमिक शाला में प्रधानाचार्य पद पर पदस्थ हाकम सिंह राजपूत का विदाई समारोह आयोजित किया गया शिक्षक हाकम सिंह ग्राम टाइ निवास हैं जो 30 वर्षों तक माध्यमिक शाला कोट में पदस्थ होने के बाद आज सेवानिवृत हुए जिनका विदाई समारोह ग्रामीण एवं अन्य अधिकारियों पदाधिकारी द्वारा बड़े हर्ष उल्लास ग्रामीणों द्वारा विदाई समारोह में उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम में गुनौर विधानसभा के विधायक राजेश वर्मा एवं मंडल अध्यक्ष श्री प्रशांत चतुर्वेदी जी, नगर परिषद अमानगंज अध्यक्ष श्रीमती सारिका खटीक की उपस्थिति में थाना प्रभारी अमानगंज मोहिनी आनंद मिश्रा अध्यक्ष फूल माला पहनकर स्वागत कर विदाई दी उपरांत में ढोल नगाड़े के साथ भाव भीनी विदाई दी गई ।

9 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर पिंटू इलेवन बैरसिया ने हासिल की जीत...

बैरसिया--क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिंधौड़ा के राजघाट मैदान पर 23 दिसंबर से चल रहे 16 वें टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल महा मुकाबला शनिवार को खेला गया जहां फाइनल मुकाबला बाबा इलेवन विदिशा एवं पिंटू इलेवन बैरसिया के बीच खेला गया जिसमें बाबा इलेवन ने वेटिंग करते हुए 10 ओवर में 80 रन बनाए वही पिंटू इलेवन बैरसिया ने 7 विकेट खोकर 9 ओवर में 81 रन बनाकर जीत हासिल की। साथ ही फाइनल मुकाबले का शुरुआती मैच तीसरे विजेता के लिए सिंधौड़ा इलेवन और खेजड़ा महाराजा टीम के बीच खेला गया जिसमें सिंधौड़ा इलेवन ने विजय प्राप्त कर तीसरा इनाम अपने नाम किया। टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रथम पुरस्कार के रूप में पिंटू इलेवन बैरसिया को 51 हजार एवं शील्ड आयोजक समिति की ओर से प्रदान की गई साथ ही द्वितीय पुरस्कार 25 हजार एवं शील्ड बाबा इलेवन विदिशा को ओम साईं कंस्ट्रक्शन कंपनी आलोक सिंह सोलंकी पिंटू बना की ओर से प्रदान की गई साथ ही तृतीय पुरस्कार 11 हजार एवं शील्ड हाकम सिंह गुर्जर जगमेरी की ओर से सिंधौड़ा इलेवन को प्रदान की गई

एमपी सीएम मोहन यादव पहुचे सतना, शंकरलाल तिवारी ने सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ किया स्वागत

सतना, भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक लोकतंत्र सेनानी शंकरलाल तिवारी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सतना आगमन पर पन्ना रीवा रिंग रोड सुहावल में सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया मुख्यमंत्री मोहन यादव खजुराहो से बाय रोड सड़क मार्ग रीवा के लिए निकले थे जहां पर उन्होंने विकास कार्यों का लोकार्पण किया वहीं खजुराहो से स्वागत का सिलसिला जारी हुआ नागौद सतना रामपुर जगह-जगह कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने फूलमालाओं से श्री मोहन यादव जी का स्वागत किया जिसमें सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे.

थाना मुरार पुलिस ने दो शातिर वाहन चोर को चोरी की दस स्प्लेण्डर मोटर साइकिल सहित किया गिरफ्तार

सिटी चीफ

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में वाहन चोरों तथा नकबजनी के अपराधियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध/यातायात) श्री ऋषिकेश मीना,भापुसे द्वारा थाना प्रभारी मुरार को थाना क्षेत्र से चोरी गये वाहनों की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देश दिये गये। दिनांक 05.01.2024 को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना मुरार क्षेत्रान्तर्गत एमएच चौराहा पर दो शातिर वाहन चोर चोरी की मोटर साइकिल बेचने की फिराक में खड़े हैं। उक्त सूचना पर थाना मुरार पुलिस की एक टीम को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु भेजा गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी मुरार श्री राजीव जंगले के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुरार निरीक्षक मदन मोहन मालवीय के द्वारा पुलिस की एक टीम में मुखबिर के बताये स्थान एमएच चौराहा पर भेजा गया। एमएच चौराहा पर पुलिस टीम को दो संदिग्ध लड़के एक स्प्लेण्डर मोटर साइकिल लिये खड़े दिखे। पुलिस टीम को देखकर उनके द्वारा मोटर साइकिल स्टार्ट कर भागने का प्रयास लिया लेकिन पुलिस टीम द्वारा दोनों संदिग्धों को मोटर साइकिल सहित घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। नाम पता पूछने पर उनके द्वारा हुरावली ग्वालियर एवं ग्राम बनौली थाना उटीला का रहने वाला बताया। मोटर साइकिल के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा पुलिस टीम को गुमराह करने का प्रयास किया गया, लेकिन हिकमतअमली से पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त मोटर साइकिल स्पलेण्डर प्रो को गणेश मंदिर के पास सब्जी मण्डी मुरार से चोरी करना बताया। पुलिस टीम द्वारा दोनों वाहन चोरों से गहनता से पूछताछ करने पर उनके द्वारा थाना मुरार क्षेत्र से 04 स्प्लेण्डर मोटर साइकिल तथा थाना इन्दरगंज क्षेत्र से 06 स्प्लेण्डर मोटर साइकिल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये चोरों की निशादेही पर चोरी की 10 स्पलेण्डर मोटर साइकिल को बरामद कर लिया गया। पकड़े गये शातिर वाहन चोरों के द्वारा उक्त सभी मोटर साइकिलों को करीब 1 माह के अंदर चोरी किया गया है। उक्त चोरों ने अधिकतर थाना इंदरगंज क्षेत्रान्तर्गत न्याय ालय परिसर व आसपास एवं थाना मुरार क्षेत्र के मुरार बाजार से हीरो स्प्लेण्डर कंपनी की मोटर साईकिलों को चोरी किया है। पकड़े गये शातिर वाहन चोर में से एक के खिलाफ थाना मुरार में चोरी के 03 तथा जुआ का 01 प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपियों के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड के संबंध में जानकारी ली जा रही है। पकड़े गये आरोपियों में एक आरोपी पूर्व में थाना बहोड़ापुर क्षेत्र में सेवानिवृत उप निरीक्षक की हत्या में भी वाछिंत रहा है।

सांसद, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष और विधायकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

ग्वालियर शहर विकास में सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग और मार्गदर्शन जरूरी है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने शनिवार को जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर शहर विकास पर विस्तार से चर्चा की। जिला पंचायत के सभाकक्ष में क्षेत्रीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, महापौर श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, विधायक ग्वालियर पूर्व डॉ. सतीश सिकरवार तथा डबरा विधायक सुरेश राजे के साथ बैठकर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में विकास के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। जिले के विकास के लिये चल रहे विकास कार्यों के साथ-साथ शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिये भी विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत विवेक कुमार सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि शहर विकास के लिए जो महत्वपूर्ण सुझाव हैं उन्हें बताएँ ताकि जिला स्तर से और शासन स्तर से उनकी स्वीकृति और उनके क्रियान्वयन पर कार्य किया जा सके। यातायात, अधोसंरचना विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और शहरी विकास के लिये जनप्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। क्षेत्रीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने अपने संसदीय क्षेत्र में विकास की विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, अधोसंरचना के साथ-साथ बेहतर सड़कों के लिये भी कार्य किया जाना चाहिए।

इसके लिये कार्ययोजना तैयार कर शासन स्तर से स्वीकृति हेतु भेजा जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह ने ग्रामीण विकास के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार ने नगरीय क्षेत्र में लोगों को बेहतर मूलभूत सुविधायें मिलें, इसके लिये योजनाओं और कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ शहर के सभी वार्डों में अधोसंरचना के काम को प्राथमिकता से करने की बात कही। विधायक ग्वालियर पूर्व डॉ. सतीश सिकरवार ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि शहर के उद्यानों, श्मशानों और कब्रिस्तानों के उन्नयन और विकास के लिये परियोजना तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को भेजा जाना उचित होगा। इसके साथ ही हॉकर्स जोनों का निर्माण और विकास की बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से किया जाना चाहिए। विधायक डबरा सुरेश राजे ने डबरा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं की ओर ध्यान इंगित किया। इसके साथ ही डबरा में सड़कों के संधारण और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को प्राथमिकता से करने की बात कही। कलेक्टर सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि जिले के विकास के लिये जो महत्वपूर्ण सुझाव आए हैं उन पर गंभीरता से कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही शहर विकास के लिये निरंतर निरीक्षण कर और बेहतर कार्य करने की दिशा में भी सार्थक पहल की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिले के विकास के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग और मार्गदर्शन भी मिलता रहे। इसके लिये भी निरंतर प्रयास किए जायेंगे।

सिंगल कॉलम

राम मंदिर के लिए सीएम एकनाथ शिंदे ने खोला खजाना! दान में दिए 11 करोड़ रुपए

मुंबई: *महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने शनिवार को अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए 11 करोड़ रुपए का दान दिया। पार्टी ने बताया कि उसके सांसद श्रीकांत शिंदे, महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत, पार्टी प्रवक्ता नरेश म्हास्के और आशीष कुलकर्णी एवं पार्टी सचिव भाऊ चौधरी ने श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय से भेंट की तथा उन्हें 11 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। 22 जनवरी को होगी रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा बताते चलें कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा होनी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान के रूप में शामिल होंगे। ऐसे में केंद्र से लेकर राज्य सरकार के अधिकारी कार्यक्रम की तैयारियों में व्यस्त हैं। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा से एक हफ्ते पहले धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे।*

झांसि पर स्वर्ण पादुकाएं और 8,000 किलोमीटर की दूरी...अयोध्या की पदयात्रा पर यूं निकला एक श्रद्धालु

हैदराबाद: *भगवान राम के प्रति अटूट श्रद्धा और अपने कारसेवक पिता के सपने को पूरा करने की इच्छा के साथ शहर से 64 वर्षीय एक व्यक्ति ने सोने की परत वाली पादुकाएं भेंट करने के लिए हैदराबाद से अयोध्या के लिए हजारों किलोमीटर की पदयात्रा शुरू कर दी है, जहां 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां चल रही हैं। चल्ला श्रीनिवास शास्त्री अयोध्या-रामेश्वरम मार्ग से यात्रा कर रहे हैं, जिसे भगवान राम ने वनवास के दौरान अपनाया था। शास्त्री पहले ही पुरी, त्र्यंबक और द्वारका जैसे कई स्थानों के कर चुके हैं दर्शन उन्होंने कहा कि वह रास्ते में भगवान द्वारा स्थापित सभी शिवलिंगों के दर्शन करते हुए उल्टे क्रम में यात्रा करना चाहते थे और 20 जुलाई को अपनी यात्रा शुरू की थी। शास्त्री पहले ही ओडिशा में पुरी, महाराष्ट्र में त्र्यंबक और गुजरात में द्वारका जैसे कई स्थानों के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने सिर पर जूते लेकर लगभग 8,000 किमी की दूरी पैदल तय करेंगे, जिसे वह पवित्र शहर पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप देंगे। पिता की इच्छा पूरी करने का लिया है निर्णय: शास्त्रीशास्त्री ने कहा कि वह आयकर विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. रामअवतार द्वारा तैयार किए गए मानचित्र का अनुसरण कर रहे हैं, जिन्होंने उस मार्ग पर 15 वर्षों तक शोध किया है जिसका अनुसरण भगवान राम ने वनवास के दौरान किया था। उन्होंने मीडिया से कहा, मेरे पिता ने अयोध्या में कारसेवा में भाग लिया था। वह भगवान हनुमान के बहुत बड़े भक्त थे। उनकी इच्छा अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देखने की थी। अब वह नहीं रहे, इसलिए मैंने उनकी इच्छा पूरी करने का निर्णय किया।*

जैसा अनुमान लगाया गया था वैसा ही हुआ आदित्य एल1 पर बोले इसरो प्रमुख

नेशनल डेस्क: *सौर मिशन आदित्य-एल1 के हेलो ऑर्बिट में प्रवेश करने पर इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा है कि यह हमारे लिए बहुत संतुष्टिदायक है क्योंकि यह एक लंबी यात्रा का अंत है। लिफ्ट-ऑफ से लेकर अब तक 126 दिन बाद यह अंतिम बिंदु पर पहुंच गया है। इसलिए अंतिम बिंदु तक पहुंचना हमेशा एक चिंताजनक क्षण होता है, लेकिन हम इसके बारे में बहुत आश्वस्त थे. तो जैसा अनुमान लगाया गया था वैसा ही हुआ।*

बता दें भारत का अंतरिक्ष मिशन यान आदित्य एल-1 अंतरिक्ष में 126 दिन तक 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद शनिवार को सफलतापूर्वक अपने अंतिम गंतव्य पर पहुंच गया, जिसके साथ ही बधाइयों को सिलसिला शुरू हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी घोषणा की। आदित्य-एल1 यान को दो सितंबर को प्रक्षेपित किया गया था और यह 'लैग्रेंजियन पॉइंट 1 पर पहुंच गया है, जहां से यह सूर्य की परिक्रमा करके उसका अध्ययन करेगा। मोदी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत का पहला सौर अनुसंधान उपग्रह आदित्य-एल1 अपने गंतव्य तक पहुंच गया। यह सबसे जटिल और कठिन अंतरिक्ष मिशनों में से एक को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा, ''मैं इस असाधारण उपलब्धि की सराहना करने में राष्ट्र के साथ हूं।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए मतदान आज

भारत और चीन के लिए क्यों जरूरी है शेख हसीना की सरकार

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए रविवार को मतदान होगा, जिसमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अनुपस्थिति के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना के लगातार चौथी बार जीत दर्ज करने की उम्मीद है। विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है और ''अवैध सरकार के खिलाफ 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने देश भर के 300 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान की तैयारी लगभग पूरी कर ली है और सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। राजनीतिक दलों के 1,500 से अधिक उम्मीदवार मैदान में निर्वाचन आयोग के अनुसार, 42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर रविवार को होने वाले मतदान में कुल 11.96 करोड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं और उनके अलावा 436 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। भारत के तीन पर्यवेक्षकों समेत 100 से अधिक विदेशी पर्यवेक्षक 12वें आम चुनाव की निगरानी करेंगे। यह चुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच कराया जा रहा है। सुबह आठ बजे शुरू होगा मतदान बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे आम चुनावों को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए। बांग्लादेश संयुक्त राष्ट्र का सदस्य है और उसने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी किए हैं।%% निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदान सुबह आठ बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे समाप्त होगा। चुनाव नतीजे आठ जनवरी की सुबह से घोषित किए जाने की उम्मीद है। बीएनपी ने शनिवार से 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का किया है आह्वान प्रधानमंत्री हसीना की सत्तारूढ़ आवामी लीग के लगातार चौथी बार जीतने की उम्मीद है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया (78) की पार्टी ने चुनाव का बहिष्कार किया है। खालिदा भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद घर में नजरबंद हैं। हसीना (76) ने इस सप्ताह राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए संबोधन में लोकतंत्र समर्थक और कानून का पालन करने वाले दलों से ऐसे विचारों को हवा न देने का अनुरोध किया था जो देश की संवैधानिक प्रक्रिया में ''बाधा डालते हों। बीएनपी ने शनिवार से 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। सड़कों पर वाहनों की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले कम है लेकिन आगजनी के डर के बावजूद सार्वजनिक वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। चुनाव लड़ रहे 27 दलों में विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल चुनाव लड़ रहे 27 दलों में विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। बाकी सत्तारूढ़ आवामी लीग की अगुवाई वाले गठबंधन के सदस्य हैं। बीएनपी का दावा है कि मौजूदा सरकार के रहते कोई भी चुनाव निष्पक्ष और विश्वसनीय नहीं होगा। बीएनपी के प्रवक्ता रुहुल कबीर रिजवी ने हड़ताल की घोषणा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य ''इस अवैध सरकार के इस्तीफे, एक तटस्थ सरकार के गठन और सभी पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा करने की मांग करना है। चुनावों के मद्देनजर हसीना सरकार ने हजारों विरोधी नेताओं और समर्थकों को गिरफ्तार किया है। भारत और चीन ने शेख हसीना सरकार के प्रति अपनाया है नरम रुख एक तरफ अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने हसीना सरकार की ओर से कथित तौर पर हजारों प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं और समर्थकों को गिरफ्तार करने की रिपोर्टों पर बार-बार चिंता जताई है। पश्चिमी देशों ने बार-बार हसीना सरकार की लोकतांत्रिक साख पर सवाल उठाए हैं और अधिकार समूहों ने बांग्लादेश सरकार पर विपक्ष को पंगु बनाने का आरोप लगाते हुए निंदा की है तो वहीं भारत और चीन शेख हसीना सरकार के प्रति नरम रुख अपनाया है। भारत पीएम शेख हसीना की सरकार के साथ खड़ा रहेगा: विदेश मंत्रालय भारत ने पिछले दो महीनों में इस बात को दोहराया है कि बांग्लादेश में होने वाला आम चुनाव उसका अपना मामला है। विदेश मंत्रालय के बयान को देखते हुए ऐसा माना जाता कि भारत पीएम शेख हसीना की सरकार के साथ खड़ा रहेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा था, चुनाव बांग्लादेश का घरेलू मामला है और हमारा मानना है कि बांग्लादेश के लोगों को अपना भविष्य खुद तय करना है। भारत को क्यों है शेख हसीना सरकार की जरूरत? बांग्लादेश के साथ भारत के अपने हित हैं। करीब 170 मिलियन (17 करोड़) लोगों के मुस्लिम-बहुल देश को भारत लगभग तीनों तरफ से घेरता है। भारत के लिए बांग्लादेश केवल एक पड़ोसी ही नही, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार और करीब सहयोगी है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों की सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है।

मालदीव में साइबर अटैक की आशंका

देर रात बंद हुईं विदेश-पर्यटन मंत्रालय समेत कई वेबसाइट्स

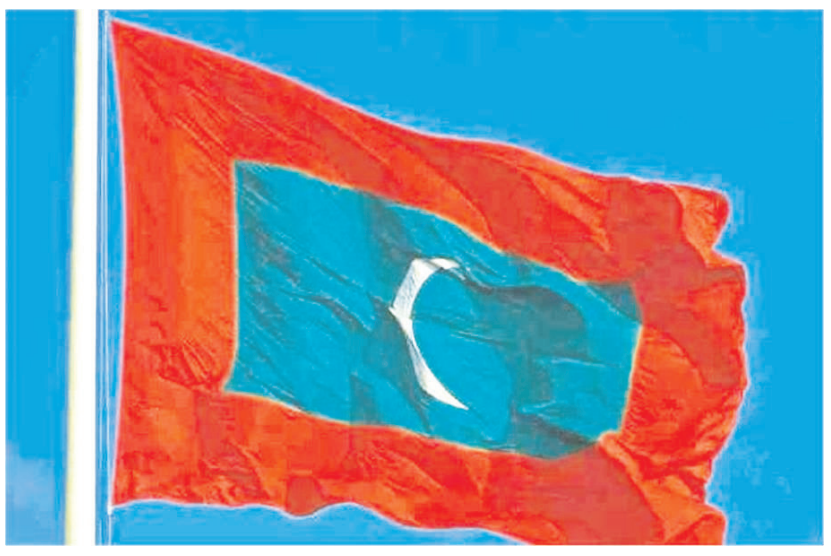

इंटरनेशनल डेस्क: मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू, विदेश मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइटें बंद हो गई है। हालांकि, वेबसाइट के काम न करने का मुख्य कारण अब तक सामने नहीं आ पाया है। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके पीछे साइबर अटैक की आशंका जताई जा रही है। सरकार की ओर से भी अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद से भारत और लक्षद्वीप सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहा है। मालदीव मीडिया ने रिपोर्ट दी है कि पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा को लेकर भारत और भारतीयों को बदनाम करने वाले मालदीव समर्थक अकाउंट द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए हमले के बाद एक संदिग्ध साइबर हमले में वेबसाइट्स पहुंच से बाहर हैं।

चीन के पास सशस्त्र समूहों के गठबंधन का है कब्जा

2,389 सैन्य कर्मियों का परिवार सहित समर्पण

म्यांमार की सैन्य सरकार ने स्वीकार किया है कि चीन के साथ पूर्वोत्तर सीमा पर उसके एक प्रमुख शहर लौक्काइंग पर जातीय सशस्त्र समूहों के गठबंधन ने कब्जा कर लिया है। इसके बाद उसने अपनी सेना वापस बुला ली है। यहां म्यांमार सेना महीनों से जातीय सशस्त्र बलों से जूझ रही थी। दोनों पक्षों ने शनिवार को म्यांमार के सैन्य बलों द्वारा हथियार डालने और पीछे हटने की बात स्वीकार कर ली। इसी के साथ लौक्काइंग शहर पर ब्रदरहुड एलायंस का नियंत्रण हो गया। सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो में यहां भारी मात्रा में हथियार दिखाई दिए, जिन्हें गठबंधन ने कब्जे में लेने का दावा किया है। लौक्काइंग कोकांग स्व-प्रशासित क्षेत्र की राजधानी है, जो भौगोलिक रूप से म्यांमार में उत्तरी शान राज्य का हिस्सा है। छह ब्रिगेडियर समेत 2,389 सैन्य कर्मियों का परिवार सहित समर्पण म्यांमार सैन्य शासन के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन तुन ने कहा, छह ब्रिगेडियर जनरलों सहित 2,389 सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार को लौक्काइंग शहर में आत्मसमर्पण कर दिया। ये सभी सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिप में सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों को विभिन्न वाहनों में ले जाते हुए दिखाया गया है।

दस हजार बिटकॉइन देकर खरीदे थे 3,635 करोड़ के दो पिज्जा, अब करोड़ों में है कीमत

बिटकॉइन के शुरुआती दिनों में एक प्रोग्रामर लास्जलो हानेकेज ने 22 मई, 2010 को दो पिज्जा के लिए 10 हजार बिटकॉइन का भुगतान किया था। इस अभूतपूर्व लेन-देन को क्रिप्टोकरेंसी के उपयोग से पहली बार वास्तविक दुनिया की खरीदारी के रूप में देखा गया। दरअसल, हानेकेज ने पिज्जा की खरीद के बदले बिटकॉइन.ओरआरजी पर 10 हजार बिटकॉइन की पेशकश की। इस सौदे को 19 वर्षीय जेरेमी स्टर्डिवैंट ने स्वीकार कर लिया और पिज्जा हानेकेज के घर पर पहुंचा दिया। उस वक्त बिटकॉइन की कीमत 41 डॉलर थी। कई साल बाद हानेकेज को अफसोस हुआ कि यदि उन्होंने उन बिटकॉइन को रखा होता, तो आज उनका मूल्य 3635 करोड़ से ज्यादा होता।

बिटकॉइन से सफलतापूर्वक पिज्जा खरीदने पर हानेकेज ने अपने परिवार के साथ पिज्जा का एक स्नैपशॉट पोस्ट किया। वे इस बात से अनजान थे कि बाद में क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया में कीमत इतनी बढ़ जाएगी।

बंधकों की रिहाई के लिए तेल अवीव में प्रदर्शन, नेतन्याहू सरकार को हटाने की मांग, अब तक 23,861 की मौत

इस्राइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। युद्ध में दोनों पक्षों के करीब 23 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। आतंकी संगठन हमास ने इस्राइल के कई नागरिकों को बंधक बना रखा है। जिनकी रिहाई के लिए लोगों ने इस्राइल में विरोध प्रदर्शन किया। बंधकों के परिजनों ने नेतन्याहू सरकार को हटाने की मांग की है। इसी के साथ उनकी मांग है कि गाजा में युद्ध को समाप्त कराया जाए। बता दें, हमास के चंगुल में अब भी 100 से अधिक इस्राइली लोग फंसे हुए हैं। जनता की सरकार से नाराजगी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल के प्रमुख शहर तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर में इस्राइली बंधकों के हजारों समर्थकों ने शनिवार को प्रदर्शन किया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बुशहा, बुशहा, बुशहा के नारे लगाए, जिसका अर्थ स्थानीय भाषा में शर्म, शर्म, शर्म है। विदेशी मीडिया इसे सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा बता रही है। लोगों ने इस युद्ध के लिए नेतन्याहू सहित अन्य अधिकारियों को दोषी ठहराया है। अब तक दोनों पक्ष के 22,811 लोगों की मौत गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में

नाबालिग लड़कियों संग निजी द्वीप पर गए थे प्रिंस

अमेरिका के अरबपति फायनेंसर तथा वेश्यावृत्ति केस में फंसने के बाद 2019 में जेल के भीतर खुदकुशी कर चुके जेफरी एप्स्टीन से जुड़े मुकदमे के 130 से ज्यादा कोर्ट दस्तावेज सार्वजनिक किए गए।इनमें एप्स्टीन द्वारा नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और मशहूर हस्तियों के साथ बातचीत शामिल है। इनके मुताबिक, प्रिंस एंड्रयू ने निजी द्वीप पर नाबालिग लड़कियों संग अय्याशी की थी। शुक्रवार देर रात तक खोले गए एक दस्तावेज में एप्स्टीन को आए फोन संदेशों की प्रतियां भी शामिल की गईं।

इसमें हॉलीवुड स्टार हार्वे विंस्टीन का संदेश भी शामिल है। इनसे पता चला कि पाम बीच में पुलिस द्वारा आरोपों की जांच शुरू करने से एक साल पहले किंग चार्ल्स का भाई प्रिंस एंड्रयू कम उम्र की लड़कियों से यौन व्यवहार के लिए भुगतान कर रहा है। पूर्व नौकरानी का भी बयान शामिल ताजा दस्तावेजों में 2009 में फ्लोरिडा के पाम बीच में एप्स्टीन के घर की पूर्व नौकरानी का बयान भी शामिल है। उसने बताया कि फायनेंसर ने ब्रिटिश शाही राजकुमार एंड्रयू, जो मैक्सवेल के लंबे समय से दोस्त थे, के साथ कितना समय बिताया था। प्रिंस के खिलाफ वर्जीनिया गिफ्रे ने भी अय्याशी का दावा किया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569